राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 01 अगस्त 2024 वर्ष–7,अंक–189 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

## 8 बार के सांसद संतोष गंगवार बने झारखंड के 12वें राज्यपाल

**रांची ।** उत्तरप्रदेश के बरेली से आठ बार के सांसद रहे संतोष गंगवार ने झारखंड के 12वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। रांची स्थित राजभवन में झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो, झारखंड सरकार के कई मंत्री, विभिन्न दलों के नेता, वरिष्ठ पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित थे। राज्यपाल गंगवार के परिवारजन एवं बरेली के कई शहरवासी भी गौरवपूर्ण पलों के साक्षी बने। शपथ लेने के पूर्व गंगवार ने बिरसा मुंडा स्मृति पार्क-सह-संग्रहालय जाकर धरतीआबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल गंगवार मंगलवार शाम रांची पहुंचे थे। रांची एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर के बाद मुख्यमंत्री सोरेन और अन्य मंत्रियों ने गंगवार का स्वागत किया। इस दौरान बरेली से साथ गए करीबी लोग भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भी शहर को कई लोगों को राजभवन से आमंत्रण मिला। ये लोग बुधवार सुबह फ्लाइट से रांची पहुंचे। उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता के साथ दुर्गेश खटवानी, संजीव चांदना, राजेश जसोरिया भी समारोह में शामिल हुए।

## दिल्ली हादसे के बाद जयपुर और कोटा में कोचिंग सेंटर को 15 दिन का समय

**जयपुर ।** दिल्ली के एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में भरे बरसात के पानी में डूबने से तीन छात्र की मौत के बाद राजस्थान सरकार ने भी एक्शन की तैयारी कर ली है। वहीं डीएलबी (डिपार्टमेंट ऑफ लोकल बॉडिज) ने बिल्डिंग नियमों को पूरा करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। इस बीच निगमों की टीम सर्वे भी करेगी। 15 दिन बाद भी यदि हालात नहीं सुधरते है तब ऐसी संस्थानों के खिलाफ सीज की कार्रवाई होगी। इसके अलावा प्रदेश के रेजिडेंशियल इलाकों में ज्वलनशील पदार्थ का स्टोरेज और कारोबारी गतिविधियां का संचालन पूरी तरह बंद करने के लिए कहा गया है। वहीं सीएम शर्मा ने कहा है, नियम के विरुद्ध चलने वाले संस्थान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जयपुर और कोटा में निगम की टीमों की ओर से बेसमेंट में चल रहे कोचिंग और लाइब्रेरी पर एक्शन लेकर उन्हें सीज किए गए।

## अब जलपाईगुड़ी में पलटी मालगाड़ी, कोई हताहत नहीं

**जलपाईगुड़ी।** पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रेल डिवीजन के रंगापानी स्टेशन के पास बुधवार को एक मालगाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर 12 बजे की है। जब खाली पेट्रोलियम वैगन रंगापानी की तरफ जा रहा था। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डिब्बों को पटरी से उठाने का कार्य जारी है।

## दिल्ली कोचिंग हादसे के लिए सिस्टम जिम्मेदार, सभी ब्लेम-गेम खेल रहे: हाईकोर्ट

**अफसर एसी रुम से बाहर नहीं निकलते, कल तक दें कार्रवाई की रिपोर्ट**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के राउ आईएएस कोचिंग सेंटर में तीन छात्रों की मौत के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी को फटकार लगाई है। एक्टिंग चीफ जस्टिस (एसीजे) मनमोहन और जस्टिस तुषार राव की युगलपीठ ने कहा कि इस तरह की घटनाएं सिस्टम की नाकामी है। ये सब मिलीभगत से हुआ है। सभी ब्लेम–गेम खेल यानी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। किसी एक की जिम्मेदारी तय करनी होगी। एमसीडी अधिकारियों से पूछो कि नाली कहां है तो नहीं बता पाएंगे, क्योंकि वे अपने एसी ऑफिस से बाहर ही नहीं निकलते हैं। जूनियर अधिकारियों को सस्पेंड करके मामले का हल नहीं निकलेगा। कोर्ट ने कल तक कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। साथ ही कहा कि अगर जांच अधिकारी ने ठीक से जांच नहीं की तो यह मामला सेंट्रल एजेंसी को सौंप जा सकता है। अगली सुनवाई दो अगस्त को होगी। एमसीडी डायरेक्टर को अगली तारीख पर पेश होने का आदेश दिया है।

# भारत ने विश्व धरोहर समिति की 46वीं ऐतिहासिक बैठक की मेजबानी की

**-भारत ने धरोहर के संरक्षण में सहायता प्रदान की**

- वैश्विक धरोहर के संरक्षण के लिए यूनेस्को को 1 मिलियन डॉलर का अनुदान
- मोईदाम्स यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत की 43वीं प्रविष्टि के रूप में शामिल
- विरासत पर गर्व: पिछले दशक में 13 धरोहर स्थलों को सफलतापूर्वक सूचीबद्ध किया गया

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने धरोहर के संरक्षण के प्रति भारत की संकल्पबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत लंबे समय से विश्व धरोहर सम्मेलन के मूल्यों की वकालत करता रहा है। विश्व धरोहर समिति की 46वीं बैठक के सफल समापन पर आज यहां आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा, हमारी प्रतिबद्धता सीमाओं से परे है, जो पड़ोसी देशों के साथ हमारे विभिन्न संरक्षण और क्षमता निर्माण संबंधी कदमों के माध्यम से परिलक्षित होती है।

भारत ने 21 से 31 जुलाई, 2024 तक पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र की मेजबानी की। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम 1977 में आरंभ हुए विश्व धरोहर सम्मेलन के साथ भारत की दीर्घकालिक सहभागिता की दिशा में एक उपलब्धि साबित हुआ है। चार कार्यकालों तक विश्व धरोहर समिति में भारत की सक्रिय भागीदारी, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और क्षमता निर्माण के प्रति उसके समर्पण को रेखांकित करती है।

विश्व धरोहर समिति की बैठक के 46वें सत्र का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जुलाई 2024 को विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में किया। विकास भी, विरासत भी के अपने विजन के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उद्घाटन सत्र में यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र को 1 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की। यह योगदान क्षमता निर्माण, तकनीकी सहायता और संरक्षण के प्रयासों में सहायता देगा, जिससे विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों को लाभ होगा।

केंद्रीय संस्कृति मंत्री ने अपनी ब्रीफिंग में कहा, बीते 10 वर्षों में भारत ने आधुनिक विकास के नए आयाम छूए हैं, साथ ही विरासत पर गर्व का संकल्प भी लिया है। उन्होंने देश भर में चल रही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या में राम मंदिर और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के आधुनिक परिसर के निर्माण जैसी कई धरोहर संरक्षण परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रयासों से पिछले दशक में 13 विश्व धरोहर संपत्तियों को सफलतापूर्वक सूचीबद्ध किया गया है, जिससे

भारत सबसे अधिक विश्व धरोहर स्थलों के संबंध में दुनिया में छठे स्थान पर आ गया है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सत्र के परिणामों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विश्व धरोहर सम्मेलन के 46वें सत्र में 24 नए विश्व धरोहर स्थलों को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें 19 सांस्कृतिक, 4 प्राकृतिक और 1 मिश्रित संपत्ति शामिल हैं। असम का मोईदाम्स भारत का 43वां विश्व धरोहर स्थल बन गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह असम का पहला ऐसा सांस्कृतिक स्थल है जिसे यह मान्यता मिली है। चराईदेव जिले में स्थित, मोईदाम्स अहोम राजवंश के दफनाने वाले पवित्र टीले हैं, जो छह शताब्दियों के सांस्कृतिक और स्थापत्य विकास को दर्शाते हैं।

# पहले ही कर दिया था अलर्ट, राज्य सरकार ने नहीं दिया ध्यान: अमित शाह

**वायनाड में लैंडस्लाइड से अब तक 175 मौतें, 220 लापता, रेस्क्यू जारी**

**वायनाड। (एजेंसी)**

केरल के वायनाड में तेज बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या अब तब 175 हो गई हैं। 131 लोग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 220 लोगों के लापता होने की खबर है जिसक रिपोर्ट भी लिखवाई गई है।

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में बताया कि 23-24 जुलाई को ही केरल सरकार को अलर्ट किया गया था, लेकिन राज्य सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अगर समय रहते लोगों को वहां से हटा लिया जाता तो इतना नुकसान नहीं होता। बता दें लैंडस्लाइड सोमवार देर रात 2 बजे और 4 बजे के करीब मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में हुआ था। इनमें घर, पुल, सड़कें और गाड़ियां सभी पत्तों की तरह बह गए। आर्मी, एयरफोर्स, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और डॉग स्क्वॉड की टीमें रेस्क्यू में जुटी हुई हैं। देर रात तक एक हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया था। करीब तीन हजार लोगों को राहत शिविरों में भेजा गया है। मौसम विभाग ने वायनाड के अलावा मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में आज भी परेशानी हो सकती है। सेना ने मुंडक्कई गांव के

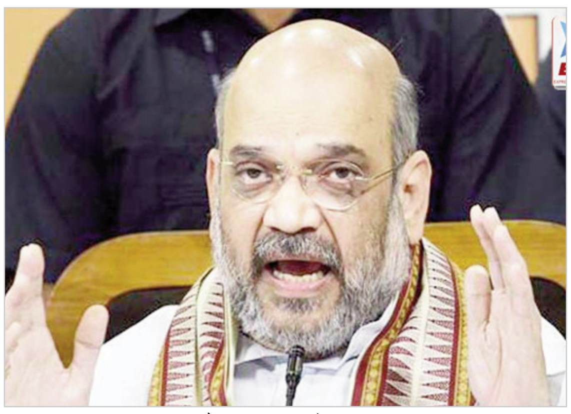

बाहर स्थित इला रिसॉर्ट और वाना रानी रिसॉर्ट में फंसे 19 पर्यटकों को बुधवार को निकाला। घटना के बाद से यह यहीं फंसे हुए थे। जानकारी के मुताबिक 122 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) मद्रास के जवानों ने रस्सियों के सहारे सभी नागरिकों को चूरलमाला तक सुरक्षित निकालने के लिए एक मानव पुल बनाया है।

# लेफ्टिनेंट साधना आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला डीजी बनी

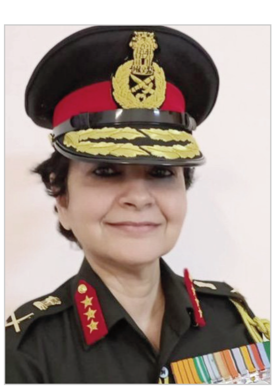

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को बुधवार को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल नियुक्त कर दिया गया है। साधना 1 अगस्त से पदभार संभालते ही इस पद पर काम करने वाली पहली महिला बन जाएंगी। पिछले साल अक्टूबर में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस की डायरेक्टर जनरल (डीजी) बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं। इससे पहले साधना को एयर फोर्स ट्रेनिंग कमांड बेंगलुरु हेड क्वार्टर से दिल्ली ट्रांसफर किया गया था। वहीं उनके पति केपी नायर 2015 में इंस्पेक्शन एंड फ्लाइट सेफ्टी के डीजी पद से रिटायर हो चुके हैं। साधना और केपी नायर एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाले देश के पहले कपल हैं। एयर मार्शल साधना सक्सेना नायर के परिवार की तीन पीढ़ियों से एयर फोर्स में अपनी सेवाएं दे रहा है। साधना के पिता और भाई भी इंडियन एयर फोर्स में डॉक्टर थे। उनका बेटा वायु सेना में फाइटर पायलट पद पर तैनात है।

# राहुल गांधी और प्रियंका नहीं जा सके वायनाड, खराब मौसम के चलते दौरा स्थगित

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने खराब मौसम के चलते वायनाड का दौरा स्थगित कर दिया है। ये दोनों नेता बुधवार सुबह वायनाड जाने वाले थे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट लिखा-प्रियंका और मैं भूस्खलन से प्रभावित परिवारों से मिलने और स्थिति का जायजा लेने वायनाड जाने वाले थे लेकिन लगातार बारिश और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण हमें अधिकारियों ने बताया की वहां विमान उतर नहीं सकेगा। राहुल ने कहा कि मैं वायनाड के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम जल्द से जल्द दौरा करेंगे। इस बीच, हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और सभी जरुरी सहायता प्रदान

करेंगे। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं वायनाड के लोगों के साथ हैं। वायनाड जिले में मेप्पडी के पास भारी बारिश से पहाड़ी इलाकों में मंगलवार तड़के भूस्खलन हुआ।

इसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें राहुल गांधी ने पिछली लोकसभा में वायनाड का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी वह रायबरेली के साथ वायनाड से चुनाव जीते थे, लेकिन उन्होंने केरल में आने वाले संसदीय क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया। अब वायनाड से उपचुनाव में उनकी बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी।

# पूजा खेडकर आईएएस नहीं रही

**- यूपीएससी ने पूजा खेडकर की उम्मीदवारी को किया रद्द**

**- भविष्य में नहीं दे पाएंगी कोई एग्जाम**

**नई दिल्ली । (एजेंसी)**

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में पूजा खेडकर का चयन रद्द कर दिया है। साथ ही भविष्य में संघ लोक सेवा आयोग की तरफ से आयोजित होने वाले किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर भी रोक लगा दी है। यूपीएससी ने कहा है कि खेडकर को सिविल सेवा परीक्षा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और कई बार फर्जी पहचान बनाकर परीक्षा देने का भी दोषी पाया है।आयोग ने कहा है की 18 जुलाई, 2024 को सिविल सेवा परीक्षा-2022 (सीएसई-2022) की अनंतिम रूप से अनुशंसित उम्मीदवार पूजा खेडकर को धोखाधड़ी के लिए एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उसने अपनी फर्जी पहचान दिखाकर परीक्षा नियमों में दी गई स्वीकार्य सीमा से अधिक प्रयास किए थे।

**-30 जुलाई तक का दिया गया था समय**

पूजा खेडकर को 25 जुलाई तक नोटिस का जवाब देना था, लेकिन उन्होंने 4 अगस्त तक का समय मांगा। यूपीएससी ने उन्हें 30 जुलाई तक का समय दिया और स्पष्ट किया कि यह अंतिम अवसर था। इसके बाद समय में कोई विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही यह हिदायत भी दी गई थी कि अगर समय सीमा तक कोई जवाब नहीं मिला तो यूपीएससी कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। लेकिन समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद, पूजा खेडकर ने निर्धारित समय में अपना स्पष्टीकरण नहीं दिया। यूपीएससी की ओर से कहा गया है कि उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच की गयी। जिसमें पूजा खेडकर को सीएसई-2022 के नियमों उल्लंघन में दोषी पाया गया। जिसके बाद उनकी अनंतिम उम्मीदवारी रद्द कर दी गई और उसे भविष्य की सभी परीक्षाओं से स्थायी रूप से वंचित कर दिया गया है।

# खड़गे का संकल्प: मैं ओबीसी या दलित हूं पर हम कितने हैं ये पता नहीं है, लेकिन हम ये जानकर रहेंगे

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

हां, मैं भारतीय हूं और दलित हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। हां, मैं आदिवासी हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। हां, मैं ओबीसी हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि हम कितने हैं। ये वो पंक्तियां हैं जो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जातिगत जनगणना को लेकर अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, आज हम सभी को यह आंकने की ज़रूरत है कि इस देश की तरक़्क़ी में हमारी कितनी भागीदारी है। बीजेपी-आरएसएस वालों की हमसे यह छिपाने की साज़िश है, ताकि वो हमें पिछड़ा रख सकें और बहाने से आरक्षण छीनकर हमारे अधिकारों पर कब्जा जमा सके।

उन्होंने कहा, बीजेपी-आरएसएस का विश्वास मनुस्मृति पर है, उनका बाबासाहेब डॉ अंबेडकर के संविधान पर रत्ती भर भी भरोसा नहीं है। वो इस देश पर 5000 साल पुराना सामाजिक शोषण जारी रखना चाहते हैं। जाति जनगणना समय की जरूरत है, ताकि हाशिए पर पड़े लोगों का सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण किया जा सके, ताकि समान अवसर व हिस्सेदारी का लाभ उठाया जा सके, लेकिन मोदी सरकार हमें इससे वंचित कर रही है।÷ उन्होंने कहा, ÷गिनती करो, हमारा संकल्प है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस किसी भी जातिवादी गाली को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन हम जाति जनगणना लागू करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। बता दें कि मंगलवार को जाति जनगणना को लेकर संसद में भारी हंगामा हुआ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना कराए जाने की मांग की। इस बीच, बीजेपी नेता व पूर्व मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक ऐसा बयान दे दिया, जिसे लेकर बवाल मच गया। अनुराग ने कहा, जिनकी जाति का पता नहीं, वो लोग जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। उनके इस बयान पर सदन में हंगामा मच गया। कांग्रेस नेताओं ने विरोध किया। वहीं, राहुल ने कहा कि आप लोग मेरे ऊपर जितनी भी अमर्यादित टिप्पणी करना चाहते हैं, कर लीजिए, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, और रही बात माफी की, तो मुझे आप लोगों की माफी नहीं चाहिए। मुझे आप लोगों की माफी से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

## संपादकीय

# शाबाश मनु!

एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों के लिए ये यकीनन गर्व के क्षण हैं, जो मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने मुहैया कराए हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्द्धा का कांस्य पदक कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड को समेटे हुए है। 28 जुलाई को 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग श्रेणी में कांस्य जीतकर मनु पहले ही निशानेबाजी में देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं और अब इस नई कामयाबी के साथ एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने का राष्ट्रीय गौरव भी उनके हिस्से आ गया है। निशानेबाजी के मिश्रित वर्ग में भी ओलंपिक पदक जीतने वाली यह पहली भारतीय जोड़ी है। निस्संदेह, इन तमगों के पीछे मनु और सरबजोत जैसे खिलाड़ियों के जुनून, समर्पण और अनथक परिश्रम का सर्वाधिक योगदान है, मगर एक बड़ी भूमिका खेलों को लेकर बदले सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की भी है। देश की आर्थिक समृद्धि ने सरकारों को जहां इस क्षेत्र में अधिक निवेश की सहूलियत दी, वहीं समाज ने भी खेल-कूद से जुड़े अपने पुराने जुमलों को बदला है। परिणाम सामने है। आज हम दहाई अंक में ओलंपिक पदकों की उम्मीद बांध रहे हैं, तो मनु भाकर का शानदार आगाज इस अपेक्षा को मजबूत आधार दे रहा है। देश में किसी भी क्षेत्र में प्रतिभाओं की कभी कोई कमी नहीं रही, सीमाएं संसाधन और समाज के स्तर पर थीं। मगर 1983 में क्रिकेट विश्व-कप की जीत ने देश की मनोदशा पर जादुई असर डाला। उस जीत ने देशवासियों के बीच विजेता खिलाड़ियों की निजी पहचान ही स्थापित नहीं की थी, बल्कि उन्हें मिले अभूतपूर्व सम्मान ने देश के कोने-कोने से हजारों प्रतिभाओं को प्रेरित किया कि खेलों के जरिये वे भी प्रतिष्ठा कमा सकते हैं। फिर जब बाजार खिलाड़ियों को आर्थिक संबल देने आगे बढ़ा, तो पेशेवर करियर के रूप में क्रिकेट को अपनाने की सोच मजबूत हुई और आज यह खेल सैकड़ों नौजवानों का भविष्य संवार रहा है, बल्कि अब तो बड़ी तादाद में बेटियां भी इसमें भविष्य देखने लगी हैं। हम क्रिकेट में आज पहली कतार में इसलिए हैं कि इसने अपने लिए एक पेशेवर तंत्र खड़ा कर लिया है, जो खिलाड़ियों की कमी नहीं पड़ने देता। उनके हितों की निगहबानी करता है। यही दृष्टिकोण एथलेटिक्स में चाहिए। यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत दिलचस्पी ने खेल-कूद के प्रति सार्वजनिक प्रयासों को एक नई ऊर्जा दी है। देश के हरेक हिस्से से प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें तराशने वाले अकेले 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' के लिए 900 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन इसका प्रमाण है। निस्संदेह, इन सबका सकारात्मक असर पड़ रहा है। मगर अभी भारत को मीलों की दूरी तय करनी है। ओलंपिक की पदक तालिका में शीर्ष क्रम पर आनेके लिए हमें अपने खेल संगठनों को पेशेवर बनाना होगा। पिछले दिनों कुश्ती महासंघ के विवाद ने काफी कटु स्मृतियां छोड़ी हैं। ऐसे विवादों के त्वरित निपटारे की जरूरत है, ताकि खिलाड़ी हताश न हों और उनको अदालत की शरण लेने की नौबत न आए। भारतीय खिलाड़ी निशानेबाजी, कुश्ती, भारोत्तोलन, हॉकी, भाला फेंक, बॉक्सिंग में अपना लोहा मनवा चुके हैं, दूसरी विधाओं में भी संभावनाएं कम नहीं हैं। मनु भाकर जैसी प्रतिभाएं आश्वस्त कर रही हैं कि अपनी कमियों को जीतना हम जानते हैं। भरोसा रखिए, ओलंपिक खेलों में हमारे गौरव के पदक धारक बेटे-बेटियों की तादाद पर दुनिया रश्क करने को बाध्य होगी।

## आज का राशीफल

**मेष** — पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**वृषभ** — व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

**मिथुन** — दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

**कर्क** — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**सिंह** — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

**कन्या** — सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

**तुला** — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक** — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**धनु** — आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कुम्भ** — दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

**मीन** — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

# यादें में बसे हैं सावन के झूले

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

तुम्हें गीतों में ढालूँगा सावन को आने दो । ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है।

वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई हैं। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं।

सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारो तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है।

अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी।

झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है।

पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रो में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

# राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुकें तर्क

(लेखक- ललित गर्ग)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है?

राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है।

राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है?

लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आईं जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है। क्या देश के मतदाताओं ने भारी संख्या में विपक्ष को इसीलिए भेजा है कि वे उनके हितकारी कार्यों पर संसद में बहस करने के बजाय सब कुछ हंगामे या बहिष्कार की भेंट चढ़ा दें? कब विपक्ष संसद में मतदाताओं की भावनाओं के अनुरूप उनको सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति गंभीर होकर अपनी दायित्वों एवं कर्तव्यों का पालन करते हुए देश-निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका का निर्वाह करेंगे? नीति आयोग ऐसा कोई मंच नहीं, जिसे दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाया जाए। वैसे भी, इस बार तो नीति आयोग की बैठक का एजेंडा देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उपाय और सुझावों पर केंद्रित था।

## विचार मंथन

# राहुल गांधी की बिछाई बिसात मे फंसी भाजपा

(लेखक - सनत जैन)

समय किसी का नहीं होता है। समय अपनी गति से चलता है। समय की गति के साथ जो नहीं चल पाता है, वह नेपथ्य में चला जाता है। 2013 से भारतीय जनता पार्टी का समय शुरू हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जो विसात बिछाती थी। कांग्रेस को उस विसात में खेलना पड़ता था। कांग्रेस जवाब देने में फंस जाती थी। कांग्रेस यह भी भूल गई थी, कि उसने 70 सालों में क्या काम किए हैं। आरोपों के चक्रव्यूह में फंसी कांग्रेस उस समय आरोपों के बचाव में लग गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सपनों का ऐसा मायाजाल मतदाताओं के लिए बुना। मतदाताओं को लगा कि नरेंद्र मोदी आएंगे, उसके अच्छे दिन आ जाएंगे। महंगाई खत्म हो जाएगी। हर साल 2 करोड लोगों को नौकरी मिलेगी। विदेश से काला धन आएगा। हर परिवार को 15 से 20 लाख रुपए मिल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता का सबसे उच्चतम स्तर था। मतदाताओं के मन में यह विश्वास बैठा दिया गया था। 70 सालों में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है। कांग्रेस नेताओं ने केवल भ्रष्टाचार किया है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया गया था। वे सारे आरोप अब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ नजर आ रहे हैं। पिछले 10 वर्ष से केंद्र में भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जो आरोप उस समय भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर लगाए थे। किसी भी आरोपों को वह सिद्ध नहीं कर पाए। अदालत से भी 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के आरोप प्रमाणित नहीं हुए। पिछले 5 वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं पर आरोप लगाकर जिस तरह ईड़ी और सीबीआई के माध्यम से दबाव बनाकर या तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी में लाया गया या जेल भिजवा दिया गया। आरोपों की इस राजनीति को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समझा। आम जनता को भी जो सपने दिखाए गए थे। 10 साल में वह पूरे नहीं होने पर, आम जनता के सपने भी टूटने शुरू हो गए। मुसलमानों का जो डर और भय हिंदुओं में फैलाया गया था। महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते हुए टैक्स ने अब हिंदुओं को भी भाजपा से दूर करना शुरू कर दिया है। हिंदू मतदाता भी समझने लगा है। सत्ता में बने रहने के लिए उसको मोहरा बनाया जा रहा है। लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम के बाद से स्थितियां बदलीं। जिस राहुल गांधी को भाजपा और मीडिया ने पप्पू बनाया था, वही पप्पू अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सामने एक ऐसे योद्धा के रूप में खड़ा है, जिसका मुकाबला करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती थी। राहुल गांधी और कांग्रेस भी जिन अस्त्र और शस्त्र का प्रयोग बीजेपी, कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ करती थी, उसे करना शुरु कर दिया है। विपक्ष ने अब भाजपा को उसी स्टाइल में घेरना शुरू कर दिया है। पहले चक्रव्यूह भाजपा रचती थी, अब विपक्ष ने भी चक्रव्यूह बनाना सीख लिया है। अग्निवीर,जाति जनगणना को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है, उसकी प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। केंद्र में अल्पमत की सरकार होने के कारण भाजपा की घबराहट स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। सदन की कार्रवाई में जिस तरह से अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति को लेकर उन पर निजी हमला बोला। उधार की बुद्धि जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में प्रोपेगेंडा करने की बात कही। राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह से इसका जवाब दिया, उससे स्पष्ट है, कि अब बिसात राहुल गांधी बिछाते हैं। भाजपा उसमें फंस जाती है। इस समय सारे दांव भाजपा के लिए उल्टे पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझने में कांग्रेस को 10 साल लग गए। कहा जाता है, जिस काम में जिस तरह से वह किया गया है, उसमें सफलता मिलती है। हम यह मानकर चलने लगते हैं कि यह रास्ता ही सबसे अच्छा है। उस रास्ते को छोड़ने का साहस नहीं कर पाते हैं। यही असफलता का कारण बन जाता है। इस बीच में समय बदल गया होता है। भारतीय जनता पार्टी विपक्षियों के ऊपर आरोप लगा देने, मतदाताओं को बड़े-बड़े सपने दिखा देने से जो सफलता मिल रही थी, आज वही भाजपा के लिए सबसे बड़ी असफलता का कारण बन रही है। पिछले 10 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने जो बोया था, अब उसको काटने का काम कांग्रेस कर रही है। भयभीत राहुल गांधी अब निर्भय हो गए हैं।

## मारुति सुजूकी का नेट मुनाफा जून तिमाही में 47 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई ।** भारत की सबसे बड़ी कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजूकी ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के रिजल्ट्स जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि उसका नेट मुनाफा जून तिमाही में 46.9 प्रतिशत बढ़कर 3,649.9 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। जबकि, एक साल पूर्व समान अवधि में कंपनी ने 2485.1 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। मारुति सुजूकी ने बताया कि उसके शानदार मुनाफा इसलिए देखने को मिला क्योंकि लागत में कटौती के प्रयास किए गए, कमोडिटी (जिंस) की अनुकूल कीमतें और विदेशी मुद्रा विनिमय में लाभ देखने को मिला। एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि जून तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध बिक्री बढ़कर 33,875 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 30,845 करोड़ रुपये थी। जून तिमाही में कंपनी के वाहनों की बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़कर 5,21,868 यूनिट हो गई। पहली तिमाही में कंपनी की घरेलू बाजार में बिक्री 3.8 प्रतिशत बढ़कर 4,51,308 इकाई रही। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 70,560 यूनिट रहा।

## 1.45 रुपये के शेयर ने निवेशकों को बनाया करोड़पति....जाने कैसे

**मुंबई ।** शेयर बाजार में कब कौन सा शेयर निवेशक को मालामाल कर दे, कुछ नहीं कह सकते है। ऐसा कमाल बहुत से पेनी स्टॉक्स ने किया है। हालांकि, इन स्टॉक्स में पैसा डूबने का जोखिम ज्यादा होता है, फिर भी बहुत से लोग इसमें खूब पैसा लगाते हैं। निवेशकों को मालामाल करने वाला ऐसा ही मल्टीबैगर पेनी स्टॉक है हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स शेयर। इस शेयर में पैसा लगाने वाले केवल पांच साल में ही करोड़पति बन गए हैं। पांच साल पहले यानी अगस्त 2019 में इस शेयर की कीमत महज 1.45 रुपये थी। 30 जुलाई को यह शेयर बीएसई पर 4.99 फीसदी की तेजी के साथ 424.10 रुपये पर बंद हुआ है। सरकार ने बीते कुछ सालों में इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी फोकस किया है और इसका असर इस सेक्टर से जुडी कंपनियों पर भी देखने को मिला है। इस सेक्टर में आई ग्रोथ से कंपनियों के शेयर भी खूब चमके हैं। पांच साल में इस मल्टीबैगर पैनी स्टॉक ने 29148 फीसदी रिटर्न दिया है। एक महीने में इस पेनी स्टॉक की कीमत में 24 फीसदी का उछाल आया है, साल 2024 में यह शेयर अब तक 23 फीसदी की बढत ले चुका है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स शेयर में अगर किसी निवेशक ने पांच साल पहले एक लाख रुपये लगाए थे, तब वहां आज करोड़पति बन चुका है। एक साल पहले इस शेयर की कीमत 1.45 रुपये थी और 424 रुपये हो चुकी है।

## एलटीसीजी कर से सरकार के खजाने में आए 98,681 करोड़ रुपये

**नई दिल्ली ।**

मोदी सरकार ने राज्यसभा को बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में सूचीबद्ध इक्विटी पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) से 98,681 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो बीते वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में वित्त वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कर से संग्रह का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड की इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ अप्रैल 2018 से लाया गया था। इस तरह के लाभ पर 10 प्रतिशत कर लगाया गया था, जिसमें सालाना एक लाख रुपये तक के लाभ को छूट दी गई थी। उन्होंने बताया कि 2022-23 में एलटीसीजी से 98,681.34 करोड़ रुपये एकत्र किए गए, जो वित्त वर्ष 2021-22 में एकत्र 86,075.49 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। 2020-21 में यह संग्रह लगभग 38,589 करोड़ रुपये, 2019-20 में 26,008 करोड़ रुपये और 2018-19 में 29,220 करोड़ रुपये था।

### गडकरी की अपील........

## जीवन बीमा कंपनियों के शेयरों में आया उछाल

**मुंबई ।**

बुधवार को शेयर बाजार में जीवन बीमा कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गई। इसकी वजह सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी है। दरअसल केंद्रीय मंत्री गडकरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को हटाने का अनुरोध किया। विश्लेषकों ने प्रस्ताव की सराहना की है और संबंधित शेयरों के लिए एक पॉजिटिव संकेत माना है। बाजार जानकारों का कहना है कि खबर के आधार पर अभी निवेश का फैसला लेना जल्दबाजी होगी। यह अभी सिर्फ एक प्रस्ताव है और अंतिम निर्णय जीएसटी काउंसिल के हाथ में है।

जानकार का मानना है कि अगर यह प्रस्ताव मान लिया जाता है, तब प्रीमियम पर जीएसटी दरें पूरी तरह से हटने के बजाय कम हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर पूरी तरह हटाया गया तब दूसरे क्षेत्रों से भी ऐसी ही मांगें आ सकती हैं। 28 जुलाई को लिखे एक पत्र में, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाला जीएसटी इस व्यवसाय के विकास में बाधा बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवसाय समाज के लिए जरूरी है। गडकरी ने कहा कि जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने जैसा है। उनका मानना है कि जो व्यक्ति अपने परिवार की सुरक्षा के लिए जीवन की अनिश्चितताओं को लेकर बीमा करवाता है, उस पर इस जोखिम से बचाव के लिए खरीदे गए कवर के प्रीमियम पर टैक्स नहीं लगाया जाना चाहिए। इस खबर के बाद शेयर बाजार में, एचडीएफसी लाइफ के शेयर की कीमत में 3.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 719 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया। एसबीआई लाइफ के शेयर में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,760 रुपये पर पहुंचा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के शेयर में 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 739 रुपये और लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के शेयर में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,193 रुपये की कीमत दर्ज की गई।

## गोदरेज प्रॉपर्टीज का मध्यप्रदेश में प्रवेश, इंदौर में 46 एकड़ जमीन खरीदी

**नई दिल्ली।** गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने इंदौर में 46 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस भूमि पर विकास कार्य में मुख्य रूप से 'प्लॉटेड' आवासीय इकाइयां शामिल की जाएंगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि इस अधिग्रहण के साथ कंपनी ने मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रवेश किया है। उन्होंने कहा कि आवासीय 'प्लॉटेड' विकास ने हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण गति पकड़ी है। इंदौर-उज्जैन रोड इस क्षेत्र में हमारी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए एक आशाजनक बाजार है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु बाजारों में इसकी अच्छी खासी मौजूदगी है।

## खाते में मिनिमम बैलेंस न होने पर बैंकों ने ग्राहकों से वसूले 2,331 करोड़

**नई दिल्ली।** बैंकों ने लोगों से खाते में मिनिमम बैलेंस न होने पर करोड़ों रुप, वसूले हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को छोड़कर 11 सरकारी बैंकों ने पिछले साल खाताधारकों से 2,331 करोड़ रुपए वसूले। यह पैसे उन लोगों से लिए गया है जिनके खाते में तय रकम से कम पैसे थे। पिछले तीन सालों में इन बैंकों ने इसी वजह से कुल 5614 करोड़ रुपए वसूले हैं। एसबीआई ने हालांकि साल 2020 से ही ये चार्ज लेना बंद कर दिया है। सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक ने सबसे ज्यादा 633.4 करोड़ रुपए वसूले। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 386.51 करोड़ रुपए और इंडियन बैंक ने 369.16 करोड़ रुपए लोगों से वसूले हैं। प्राइवेट बैंकों भी इस तरह के जुर्माने लगाते हैं, लेकिन उनकी रकम सरकारी बैंकों से ज्यादा होती है। हालांकि, सरकार ने कुछ बेसिक बचत बैंक खातों (बीएसबीडीए) के लिए ये नियम नहीं बनाए हैं। इन खातों में बिना किसी पैसे के भी खाता खुलवाया जा सकता है और आप जितना चाहें उतना पैसा जमा कर सकते हैं। महीने में चार बार आप पैसे निकाल सकते हैं लेकिन बाकी खातों के लिए बैंक अपने नियम बना सकते हैं और ग्राहकों से अलग-अलग तरह की सेवाओं के पैसे ले सकते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने साल 2014 और 2015 में कुछ नियम बनाए थे जिनके मुताबिक बैंक अपने ग्राहकों से खाते में कम पैसे रखने पर जुर्माना ले सकते हैं लेकिन ये जुर्माना तय नियमों के हिसाब से ही होना चाहिए। बैंक अपने ग्राहकों को खाता खोलते समय बताते हैं कि उनके खाते में कम से कम कितने पैसे होने चाहिए। अगर बाद में ये नियम बदलते हैं तो भी बैंक ग्राहकों को इसकी जानकारी देते हैं। अगर किसी के खाते में कम पैसे होते हैं तो बैंक उन्हें पहले ही बता देते हैं। अगर ग्राहक एक महीने के अंदर अपने खाते में पैसे नहीं जमा करते हैं तो बैंक उनसे जुर्माना ले सकते हैं लेकिन बैंक ये भी तय करते हैं कि जुर्माने की वजह से किसी के खाते में पैसों का घाटा न हो।

# शेयर बाजार बढ़त पर बंद

### सेंसेक्स 285 , निफ्टी 93 अंक उपर आया

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही धातु, बिजली और वाहन शेयरों में खरीदारी से आया है। इसी कारण आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 285.94 अंक करीब 0.35 फीसदी बढ़कर 81,741.34 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.85 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी ऊपर आकर 24,951.15 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 20 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। जेएसडब्लयू स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति, एनटीपीसी और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, भारती एयरटेल, आईटीसी, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, कोटक बैंक, टीसीएस, टाटा स्टील, एलएंडटी, एचसीएल टेक, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, नेस्ले इंडिया और एचडीएफसी

बैंक के शेयर ऊपर आये। दूसरी ओर 10 शेयर नीचे आये हैं। इसमें रिलायंस, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, एमएंडएमऔर बजाज फाइनैंस के शेयर सबसे ज्यादा गिर। इसके अलावा, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, टाइटन, इंडसइंड बैंक और एसबीआई के शेयर भी नीचे आये। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक गत दिवस पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता रहे, और उन्होंने 5,598.64 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इसके बाद भी गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनियाभर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज सुबह बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी तेजी के साथ खुले। निफ्टी के सभी सेक्टर इंडेक्स में बढ़त रही है और मिडकैप व स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी दर्ज की गयी। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 1.39 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है, जिससे निवेशकों की कुल आय में भी इसी मात्रा में बढ़त रही।

## बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मार्केट कैप 5.5 ट्रिलियन डॉलर के पार

### -भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा शेयर मार्केट

**मुंबई।**

शेयर बाजार में तेजी का ट्रेंड जारी है। लार्जकैप से लेकर छोटे शेयर में भी खरीदारी जारी है। इस कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का कुल मार्केट कैप 462 लाख करोड़ रुपए यानी 5.5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है। इससे पहले 24 मई, 2024 को भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण पांच ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया था। शेयर बाजार का पहली बार बाजार पूंजीकरण 28 मई, 2007 को एक ट्रिलियन डॉलर पार किया था। वहीं, अगले दस सालों बाद 10 जुलाई, 2017 को यह दो ट्रिलियन डॉलर और अगले चार सालों बाद 24 मई, 2021 को तीन ट्रिलियन डॉलर और फिर अगले दो सालों से ज्यादा समय के बाद को 30 नवंबर, 2023 को चार ट्रिलियन और अगले छह महीने में 24 मई, 2024 को पांच ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। दुनिया के शीर्ष पांच शेयर बाजारों में बाजार पूंजीकरण में 2024 की शुरुआत से अब तक 25 फीसदी से ज्यादा रिटर्न के साथ भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन बेहतर रहा है। जबकि अमेरिकी शेयर बाजार ने 13.50 फीसदी, हांगकांग ने 4.15 फीसदी, जापान ने 4.02 फीसदी और चीन ने माइनस 13.61 फीसदी का रिटर्न दिया है। मौजूदा समय में अमेरिका 57.28 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार है। दूसरे नंबर पर 8.24 ट्रिलियन डॉलर के साथ चीन, 6.49 ट्रिलियन डॉलर के साथ जापान और 5.51 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप के साथ भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है। पांचवें स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार

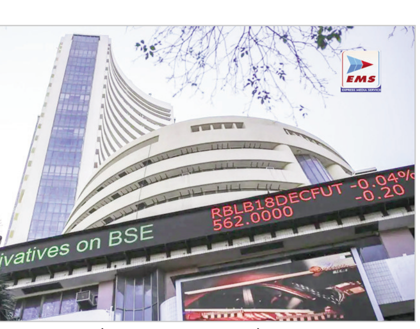


आता है, जिसका मार्केट कैप 4.92 ट्रिलियन डॉलर है। भारतीय शेयर बाजार में तेजी का कारण अर्थव्यवस्था का मजबूत होना है। 2023-24 में जीडीपी 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी और आम बजट 2024-25 से पहले पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी साता फीसदी की दर से बढ़ सकती है।

## ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने निवेशकों को क्यों किया सावधान

**नई दिल्ली ।** ब्रोकरेज हाउस और जानकारों की राय पर आंख बंदकर शेयरों व आईपीओ में पैसा लगाने वाले लोगों के लिए आंखें खोलने वाली खबर आई है। दिग्गज ब्रोकरेज फर्म व जानकारों के नाम पर कुछ ठग निवेशकों को चूना लगा रहे हैं। इन नक्कालों ने इंटरनेशन ब्रोकरेज फर्म यूबीएस को भी नहीं छोड़ा। इसके बाद यूबीएस सिक्योरिटीज ने इस बारे में निवेशकों को आगाह किया है। यूबीएस ने कहा, हमें पता चला है कि कुछ अज्ञात और गैर अधिकृत लोग, हमारे ब्रांड, लोगों और कर्मचारियों का नाम व तस्वीर लगाकर फर्जी तरीके से काम कर रहे हैं। यूबीएस ने कहा कि ये नक्काल लोग शेयरों व आईपीओ में कम समय में हाई रिटर्न देने का वादा करके निवेशकों को गुमराह कर रहे हैं। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया, एक लिस्टेड संस्था है और ट्रेडिंग से जुड़े इसतरह के काम नहीं करती है। ब्रोकरेज फर्म ने बताया कि वह सिर्फ संस्थागत निवेशकों के लिए ट्रेड करती है। यूबीएस ने निवेशकों को सतर्क कर कहा कि उसके नाम से आने वाले मैसेज और कॉल को लेकर सावधान रहें। अगर कोई व्यक्ति इन फर्जी कॉल और स्टॉक टिप्स का शिकार होता है, तब ब्रोकरेज फर्म उसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी। ब्रोकरेज हाउस ने कहा कि अगर आपके ध्यान में इस तरह की गतिविधि आती है, तब तुरंत पुलिस और साइबर सेल को सूचित करें।

# अडाणी ग्रुप की एनर्जी सॉल्यूशंस ने जुटाए 8300 करोड़, मिल रहा बंपर रिस्पॉन्स

**नई दिल्ली।**

अडाणी ग्रुप ने बाजार से करीब एक अरब डॉलर यानी करीब 8373 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह रुपया अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने क्वालिफाइड इंस्टीटूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए शेयर बेचकर जुटाए हैं। अडाणी ग्रुप ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद पहली बार सार्वजनिक इक्विटी के जरिये बाजार से फंडिंग की है।

इस रिपोर्ट ने अडाणी ग्रुप की कंपनियों की नेटवर्थ को जबरदस्त नुकसान हुआ था। अडाणी एनर्जी का क्यूआईपी मंगलवार को खोला गया था। यह इश्यू तीन गुना सब्सक्राइब हुआ यानी करीब 26 हजार करोड़ रुपए की मांग आई। यह भारत के एनर्जी सेक्टर का सबसे बड़ा ट्रांजेक्शन बन गया है। इस इश्यू का प्राइस 976 रुपए प्रति शेयर रखा था। हालांकि, यह 1,135 रुपए प्रति शेयर पर बंद हुआ। क्यूआईपी का रास्ता वह लिस्टेड कंपनियां अपनाती हैं, जो बड़े संस्थानों से रुपया जुटाना चाहती हैं। अडाणी एनर्जी के क्यूआईपी के सफल होने के साथ अब अडाणी इंटरप्राइजेज भी करीब 600 करोड़ रुपए बाजार से जुटाने के लिए जुट गई है। यह सफल क्यूआईपी दिखा रहा है कि अडाणी ग्रुप में निवेशकों का भरोसा मजबूत हो रहा है। अडाणी विल्मर इस पैसे का इस्तेमाल खाद्य तेल और सोलर पावर क्षमता बढ़ाने में करेगी। क्यूआईपी अत्यधिक कागजी कार्यवाही के बगैर की गई शेयर बिक्री है। इसमें भी किसी आईपीओ की तरह ही शेयर जारी किए जाते हैं लेकिन इसे हर कोई नहीं खरीद सकता। क्यूआईपी को केवल क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) ही खरीद सकते हैं। ये वे निवेशक होते हैं जिन्हें भारत में सेबी से मान्यता मिली हुई है। ये बाजार के विशेषज्ञ निवेशक होते हैं और बाजार में इनका अहम योगदान होता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि कंपनी को इसके लिए आईपीओ या एफपीओ की तरह सेबी के पास पेपर फाइल नहीं करने होते हैं। इसमें कागजी कार्यवाही बहुत कम होती है। क्यूआईबी खुद अच्छे इन्वेस्टर्स होते हैं इसलिए कंपनी क्यूआईपी संबंधी सभी दस्तावेज सीधे उन्हीं से साझा कर देती है।

## अच्छी शुरुआत के बाद ग्रेटर नोएडा में वीवो नए प्लांट में जल्द शुरु करेगी उत्पादन

**नई दिल्ली।** चीन की स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने इस साल अच्छी शुरुआत के बाद भारत में व्यापार करने पर भरोसा जताया है। कंपनी ग्रेटर नोएडा में अपने नए प्लांट में जल्द उत्पादन शुरू करेगी। नया प्लांट करीब 169 एकड़ में फैला है और वर्तमान में इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 60 मिलियन यूनिट है। वीवो ने मंगलवार को लॉन्च की अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023 में कहा कि पूरी तरह से चालू होने पर इस क्षमता को दोगुना कर 120 मिलियन यूनिट किया जाएगा।

वीवो कंपनी ने यह नहीं बताया कि वह कब तक प्लांट की क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 की पहली तिमाही में वीवो 16.2 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ सैमसंग को पीछे छोड़ते हुए भारत में सबसे बड़ी स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी बन गई है। वीवो की भारत में दोहरी रणनीति है। एक तरफ वह देश में ही ज्यादा से ज्यादा फोन बना रही है वहीं और दूसरी तरफ भारतीयों की पसंद के हिसाब से फोन डिजाइन, कैमरा फीचर और दूसरे फीचर इसमें जोड़ रही है। कंपनी के सीईओ जेरोम चेन ने कहा कि हमने डिजाइन फॉर इंडिया की पहल के तहत ऐसे फोन डिजाइन किए हैं जो भारतीय ग्राहकों की पसंद के मुताबिक हों। ग्रेटर नोएडा में हमारा प्लांट अब तक 150 मिलियन से ज्यादा स्मार्टफोन बना चुका है।

ये सब कुछ वीवो के पिछले साल घोषित किए गए करीब 7500 करोड़ रुपए के निवेश का हिस्सा है। कंपनी ने भारत में कुल मिलाकर करीब 3500 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जो ज्यादातर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने में लगाया है। उन्होंने कहा कि यह कंपनी पूरी तरह से चालू होने पर हमारी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दोगुना करने का विकल्प देगी, साथ ही आत्मनिर्भर भारत के प्रति हमारी कमिटमेंट को मजबूत करेगी। कंपनी का कहना है कि 2023 में भारत में भेजे गए 99 फीसदी से ज्यादा वीवो स्मार्टफोन यहीं बने थे।

वीवो ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा में अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को खाली कर दिया है।

## चीनी निवेश पर सरकार के रुख में बदलाव नहीं, इकानॉमिक सर्वे एक स्वतंत्र रिपोर्ट: पीयूष गोयल

**नई दिल्ली।**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि चीन के निवेश को अनुमति देने के संबंध में केंद्र सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं है और आर्थिक सर्वेक्षण में व्यक्त विचार सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। लोकसभा में मंगलवार को पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार चीनी निवेश की जांच करती है और इस संबंध में उसका रुख नहीं बदला है। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया था कि भारत चीन पर निर्भर हो गया है। उन्होंने आर्थिक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए कहा कि इसमें पड़ोसी देश से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त करने का समर्थन किया गया है। गोयल ने इस सवाल पर कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के तहत भारत पड़ोसी देशों पर निर्भर हो गया था। उनका कहना था कि कांग्रेस के तहत, आयात चार अरब डॉलर से बढ़कर 40-45 अरब डॉलर हो गया, जो कि दस गुना से ज्यादा है। हमारे समय में वृद्धि केवल 2-2.5 गुना है। हमने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कदम उठाए हैं। गोयल ने कहा कि मैं संप्रग पर सीधा आरोप लगा रहा हूं। उनका नाम बदल गया है, यह अब 'इंडी' गठबंधन है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हमें नहीं पता कि चीन के साथ वह एमओयू क्या था। संप्रग के तहत व्यापार घाटा 30 गुना बढ़ गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया गया है कि बीजेपी के नेतृत्व वाले राजग ने चीन और उसके निवेश को भी नियंत्रित कर लिया है। आर्थिक सर्वेक्षण का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि जहां तक मुख्य आर्थिक सलाहकार का सवाल है, वह एक स्वतंत्र, स्वायत्त रिपोर्ट लाते हैं। यह उनकी सोच है, भारत सरकार ने फिलहाल अपना रुख नहीं बदला है। उनके मुताबिक चीन से जो निवेश आता है, उसकी जांच की जाती है, जहां हमें उचित नहीं लगता, वहां रोक दिया जाता है। हमारी नीति वही रहेगी। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने एक सलाह दी है। बजट से पहले आए आर्थिक सर्वेक्षण में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का फायदा उठाने के मकसद से बीजिंग से एफडीआई की जरूरत पर जोर दिया गया था। सर्वेक्षण में कहा गया था कि चूंकि अमेरिका और यूरोप अपनी तत्काल ''सोर्सिंग'' चीन से दूर कर रहे हैं, इसलिए यह अधिक प्रभावी होगा कि चीनी कंपनियां भारत में निवेश करें और पड़ोसी देश से आयात करने के बजाय इन बाजारों में उत्पादों का निर्यात करें।

## छत्रपति संभाजी नगर में ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाएगी टोयोटा

### 20,000 करोड़ के निवेश से 20 हजार लोगों को रोजगार

**मुंबई ।**

जापान की दिग्गज कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीएमके) ने बताया कि वह महाराष्ट्र में करीब 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करेगी। टीएमके ने बयान में कहा, कंपनी ने छत्रपति संभाजी नगर में एक ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की स्थापना की जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। टोयोटा ने बताया कि उसकी पहले से ही दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बेंगलुरु के पास बिदादी में स्थित हैं। कर्नाटक में, अपने ग्रुप की कंपनियों सहित वाहन निर्माता ने 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है और पूरी मूल्य श्रृंखला में करीब 86,000 नौकरियां पैदा की हैं। टोयोटा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मासाकाजु योशिमुरा ने कहा, बुधवार को एमओयू हस्ताक्षर महत्वपूर्ण बिंदु है। एक बार अंतिम रूप देने के बाद प्लांट के लिए प्रस्तावित निवेश को विभिन्न वर्षों में अलग-अलग चरणों में करने की उम्मीद है, जो संभावित रूप से क्षेत्र में पर्याप्त रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में योगदान देगा। हालांकि टोयोटा ने यह नहीं बताया कि वह महाराष्ट्र में स्थापित होने वाले ग्रीनफील्ड मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए कितना निवेश करेगी। लेकिन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्लांट के लिए 20,000 करोड़ रुपये के निवेश का आंकड़ा सोशल मीडिया पर शेयर किया। उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने लिखा, छत्रपति संभाजी नगर में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी द्वारा 20,000 करोड़ का निवेश ऑटोमोबाइल क्षेत्र में महाराष्ट्र को एक कदम आगे लेकर जाएगा। इस निवेश के साथ 8,000 प्रत्यक्ष और 12,000 अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। इस ऐतिहासिक करार के लिए मराठवाड़ा को बधाई! वहीं टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की उपाध्यक्ष मानसी टाटा ने कहा, हमारे बिदादी प्लांट की पिछले 25 सालों की परिचालन उत्कृष्टता ने भारत में टोयोटा की भविष्य की दिशा की नींव तैयार की है। मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया पर हमारा रणनीतिक फोकस हमें अपने ग्राहकों को स्वच्छ हरित गतिशीलता समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगा। टोयोटा की वर्तमान में बिदादी स्थित दो यूनिटों में 3.42 लाख वाहनों की स्थापित उत्पादन क्षमता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पेरिस ओलंपिक :अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेंगे भारतीय एथलीट, नीरज चोपड़ा पर होगी निगाहें

**पेरिस (एजेंसी)।** भारत का 29 सदस्यीय दल पेरिस ओलंपिक खेलों में गुरुवार से शुरू होने वाली एथलेटिक प्रतियोगिता में जब अपना अभियान शुरू करेगा तो सभी की निगाह नीरज चोपड़ा पर टिकी रहेंगी जो भाला फेंक में अपने खिताब का बचाव करके भारतीय खेलों के इतिहास में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। चोपड़ा मामूली चोटों के कारण ओलंपिक से पहले अधिक प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पाए थे लेकिन इसके बावजूद उन्हें लगातार दूसरे ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन राउंड छह अगस्त को होगा।

### चोपड़ा के पास सुनहा अवसर

चोपड़ा अगर आठ अगस्त को स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहते हैं तो वह भाला फेंक में अपने खिताब का बचाव करने वाले दुनिया के पांचवें खिलाड़ी और लगातार दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले एरिक लेमिंग (स्वीडन; 1908 और 1912), जॉनी मायरा (फिनलैंड; 1920 और 1924), जान जेलेजनी (चेक गणराज्य; 1992, 1996 और 2000) और एंड्रियास थोरकिल्डसन (नॉर्वे; 2004 और 2008) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव किया।

### चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

चोपड़ा ने इस साल केवल तीन प्रतियोगिताओं में भाग लिया लेकिन यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इसलिए स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार है क्योंकि विश्व स्तर पर उनका कोई भी अन्य प्रतिद्वंदी इस सत्र में असाधारण प्रदर्शन नहीं कर पाया है। इस भारतीय एथलीट ने मई में दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया था जिसमें उन्होंने 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था जो इस सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है।

उन्होंने इसके बाद एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापस ले लिया क्योंकि वह अपनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द महसूस कर रहे थे। चोपड़ा, जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है, ने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर मजबूत वापसी की। उन्होंने पेरिस डायमंड लीग से बाहर होने का विकल्प चुना। उनके कोच ने बाद में चोपड़ा की फिटनेस को लेकर चिंताओं को खारिज कर दिया।

### चोपड़ा के मुख्य प्रतिद्वंद्वी

पिछले ओलंपिक खेलों के बाद चोपड़ा ने जिन 15 प्रतियोगिताओं में भाग लिया उनमें से केवल दो बार उन्होंने 85 मीटर से कम भाला फेंका। दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा को हराने वाले और तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च, जर्मनी के जूलियन वेबर और पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स एक बार फिर भारतीय सुपरस्टार के मुख्य प्रतिद्वंद्वी होंगे।

पुरुष भाला फेंक में एक अन्य भारतीय किशोर जेना भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में 87.54 मीटर थ्रो के साथ ओलंपिक कोटा हासिल किया था लेकिन उसके बाद उन्हें 80 मीटर का आंकड़ा पार करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

### 20 किमी पैदल चाल से होगी एथलेटिक्स की शुरूआत

एथलेटिक्स प्रतियोगिता की शुरुआत पुरुष और महिला 20 किमी पैदल चाल से होगी जिसमें अक्षदीप सिंह, विकास सिंह और परमजीत सिंह बिष्ट पुरुषों की जबकि प्रियंका गोस्वामी महिलाओं की स्पर्धा में भाग लेंगी।

भारतीय खिलाड़ियों में पुरुषों के 3000 मीटर स्टीपलचेजर अविनाश साबले और पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम शीर्ष पांच में जगह बनाने की क्षमता रखती है। ज्योति

याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम, तजिंदरपाल सिंह तूर (गोला फेंक) आदि खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

इस बीच गोला फेंक में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक आभा खाटुआ को बिना कोई कारण बताए भारतीय एथलेटिक्स टीम से बाहर कर दिया गया था। भारत के किसी भी अधिकारी ने स्पष्टीकरण नहीं दिया कि उनका नाम चोट लगने, डोपिंग उल्लंघन या किसी अन्य तकनीकी मुद्दे के कारण हटा दिया गया है। इन ओलंपिक खेलों में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा। अब प्रत्येक हीट में शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि अन्य खिलाड़ियों को रेपेचेज के जरिए यहां पहुंचने का मौका मिलेगा।

# पेरिस ओलंपिक : टेबल टेनिस के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं श्रीजा अकुला

**पेरिस (एजेंसी)।** भारत की श्रीजा अकुला पेरिस ओलंपिक की स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। पहली बार ओलंपिक खेल रहीं श्रीजा ने राउंड ऑफ 32 मैच में सिंगापुर की जियान झेंग को 4-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनायी। इसी के साथ ही वह मनिका बत्रा के बाद प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली भारत की दूसरी महिला खिलाड़ी बन गई हैं

श्रीजा ने जियान के खिलाफ छह गेम तक चले मुकाबले के बाद 9-11, 12-10, 11-4, 11-5, 10-12, 12-10 से जीत दर्ज की। श्रीजा अकुला पहला गेम 9-11 से हार गई थीं पर इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सिंगापुर की खिलाड़ी को बाहर कर दिया। श्रीजा ने दूसरा गेम 12-10 जबकि तीसरा गेम 11-4 से जीता। इसके बाद चौथा गेम 11-5 से जीतकर अपनी बढ़त को बढ़ा दिया। वहीं पांचवें गेम में जियान झेंग ने वापसी करते हुए 12-10 से जीत दर्ज की। इसके बाद श्रीजा ने छठा गेम 12-10 से जीतकर मुकाबला जीत लिया। वहीं इससे पहले श्रीजा ने अपने पहले मैच में स्वीडन की क्रिस्टीना कालबर्ग को 11-4, 11-9, 11-7,11-8 से हराया था। ये पहली बार है जब टेबल टेनिस की महिला एकल स्पर्धा में भारत की दो खिलाड़ी ओलंपिक के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

# पेरिस ओलंपिक : सिंधु का विजयी क्रम जारी, प्री-क्वाटर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस । शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने बुधवार को यहां एस्टोनिया की क्रिस्टिन कुबा को सीधे गेम में हराकर ओलंपिक खेलों की महिला एकल प्रतियोगिता के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता ने यहां अपने दूसरे और आखिरी ग्रुप एम मैच में 21-5 21-10 से जीत हासिल की। प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी पीवी सिंधु ने 16वें राउंड में चीन की हे बिंगजियाओ से भिड़ेंगी। सिंधु ने अपने पहले मैच में मालदीव की फथीम अब्दुल रज्जाक को 21-9 21-6 से हराया था, ग्रुप में शीर्ष पर रहीं। 16 समूहों में से प्रत्येक का विजेता 16 राउंड के लिए क्वालीफाई करता है। भारतीय खिलाड़ी ने इससे पहले 2016 रियो खेलों में रजत पदक और टोक्यो संस्करण में कांस्य पदक जीता था।

# मुक्केबाज लवलीना पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

**पेरिस (एजेंसी)।** भारत की लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। लवलीना ने 75 किलो भार वर्ग में नॉर्वे की मुक्केबाज सनीवा हाफ्सटेड को 5-0 से हरा दिया। लवलीना ने इस मुकाबले में पहले ही दौर से आक्रमण शुरु कर दिया। उन्होंने सनीवा हाफ्सटेड पर जमकर मुक्के बरसाये। इस प्रकार इस भारतीय मुक्केबाज ने पहला राउंड 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी अच्छा प्रदर्शन कर मुकाबला अपने नाम किया।

लवलीना के सामने नॉर्वे की हाफ्सटेड टिक नहीं पायीं। भारतीय बॉक्सर ने पहले और दूसरे राउंड की तरह तीसरा राउंड भी जीत लिया। तीन मुक्केबाजों की हार के बाद बोरगोहेन की जीत से मुक्केबाजी दल को राहत मिली है।

लवलीना ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। लवलीना ने 75 किलो वर्ग में आने के बाद 2022 में एशियन चैंपियन और 2023 में विश्व चैंपियन का खिताब जीता था।

# यशस्वी जायसवाल का कमाल, टी20 रैंकिंग में बाबर-रिजवान को पछाड़ा, इन नंबर पर लगाई छलांग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** श्रीलंका के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद यशस्वी जयसवाल नवीनतम आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सीरीज के तीन मैचों में 177.78 की स्ट्राइक रेट और लगभग 27 की औसत से 80 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन मैचों में 195.74 की शानदार स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाने के बावजूद दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि ट्रेविस हेड अभी भी उनसे 39 अंक आगे हैं।

इस बीच, जयसवाल ने रैंकिंग में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पछाड़ दिया और 757 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए। शीर्ष 10 में तीसरे भारतीय बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ हैं जो श्रीलंका श्रृंखला के लिए भारत की टी20ई टीम में नहीं थे। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने पारी की शुरुआत करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 137 रनों के साथ वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।

वह रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टी20 सीरीज के बाद कुसल मेंडिस भी दो स्थान आगे बढ़कर 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शीर्ष 10 में अपना स्थान फिर से हासिल कर लिया है। टी20 विश्व कप से पहले, वह कुछ हफ्तों के लिए नंबर एक टी20ई गेंदबाज थे, लेकिन भारत की टीम में जगह नहीं बना सके और अंततः ट्रॉफी जीती। मेगा इवेंट के दौरान बिश्नोई ने टॉप 10 में अपनी जगह गंवा दी और यहां तक कि 20वें स्थान के करीब पहुंच गए।

हालाँकि, बिश्नोई ने श्रीलंका ञ्20द्ब श्रृंखला को 16.83 की औसत

से छह विकेट के साथ सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त किया। वह आठ स्थान की छलांग लगाकर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं और उनका लक्ष्य बांग्लादेश के खिलाफ अगली सीरीज में अपनी रैंकिंग में सुधार करना होगा।

# पेरिस ओलंपिक : 50 मीटर 3 पोजीशन निशानेबाजी के फाइनल में पहुंचे स्वप्निल

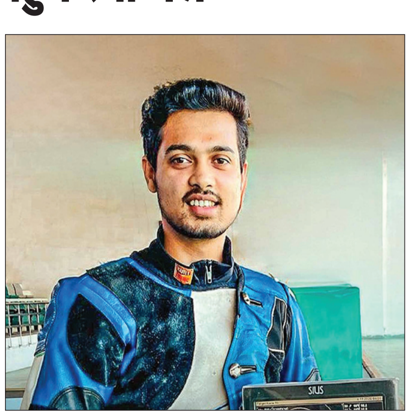

पेरिस। भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले पेरिस ओलंपिक की 50 मीटर 3 पोजीशन के फाइनल में पहुंच गये हैं। इस प्रकार भारत का एक और पदक पक्का हो गया है। स्वप्निल कुसाले ने नीलिंग राउंड में 198 अंक हासिल किए। उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 590 का स्कोर बनाया और सातवें स्थान पर रहे। क्वालिफिकेशन राउंड से शीर्ष आठ निशानेबाज फाइनल में पहुंचे ।50 मीटर 3 पोजीशन शूटिंग में तीन (नीलिंग, प्रोन और स्टैडिंग) से निशानेबाजी की जाती है और तीनों के कुल स्कोर के आधार पर फाइनलिस्ट और विजेता का फैसला किया जाता है। वहीं स्वप्निल के साथी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को हालांकि निराशा का सामना करना पड़ा है। ऐश्वर्य दो राउंड (नीलिंग और प्रोन) तक फाइनल की रेस में रहने के बाद स्टैंडिंग शूट में गलती के कारण 8वें नंबर 11वें नंबर पर फिसल गये हैं। ऐश्वर्य ने फर्स्ट प्रोन सीरीज में 199 का स्कोर किया और वह 8वें नंबर पर हैं। वहीं स्वप्निल कुसाले फर्स्ट प्रोन सीरीज के बाद 11वें नंबर पर हैं। उन्होंने इस राउंड में 197 का स्कोर किया। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने इससे पहले नीलिंग राउंड में 197 का स्कोर किया। भारत ने अब तक निशानेबाजी में को कांस्य पदक जीते हैं। मनु भाकर ने एक कांस्य व्यक्ति जबकि दूसरा मिश्रित इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ जीता है।

# एथलेटिक्स की पैदल चाल में उतरेगी प्रियंका , परिवार को है पदक की उम्मीदें

**मेरठ (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक में इस बार एथलेटिक्स मुकाबलों में भारत की प्रियंका गोस्वामी भी उतरेंगी। मेरठ की बेटी प्रियंका पेरिस ओलंपिक की पैदल चाल की दो प्रतियोगिताओं में शामिल होगी। प्रियंका एक अगस्त को 20 किलोमीटर पैदल चाल में और 7 अगस्त को 40 किलोमीटर दौड़ में भाग लेंगी। प्रियंका के मदनपाल का कहना है कि प्रियंका ने लगातार अपने खेल पर ध्यान देते हुए अभ्यास किया है, ऐसे में उन्हें सफलता की पूरी उम्मीद है। पिता का मानना है कि प्रियंका ओलंपिक में भारत को पदक जिताकर देश ओर शहर का नाम रोशन करेंगी। इसलिए अब बेसब्री से एक और सात अगस्त का इंतजार कर रहे हैं, जिससे कि उनकी बेटी नए कीर्तिमान हासिल करते हुए यह साबित कर सके कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं.

प्रियंका के प्रिवार को भरोसा है कि भगवान लड्डू गोपाल इस नए कीर्तिमान को बनाने में उनकी मदद करेंगे। मदनपाल ने बताया कि जब उनकी बेटी को खेल के प्रति लगाव हुआ, तो वह प्रतिदिन कैलाश प्रकाश स्टेडियम में प्रैक्टिस के लिए ले जाते थे। बेटी के सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने अपने मुजफ्फरनगर गांव का घर बेच दिया था। प्रियंका राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक धारक हैं. वह राष्ट्रमंडल खेलों में पैदल चाल में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग में 20 किलोमीटर पैदल चाल का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी उनके नाम है। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। इसके अलावा भी उनके नाम कई रिकॉर्ड हैं।

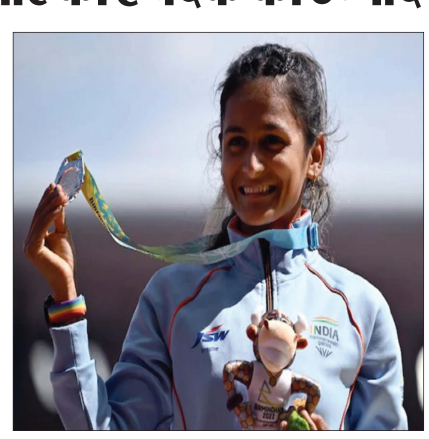

# पेरिस ओलंपिक : फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक, मैदान में घुसा दर्शक

सेंट एटीने (फ्रांस)। पेरिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक हुई जब अमेरिका और गिनी के बीच खेले गए मैच के दौरान एक दर्शक मैदान में घुस गया। यहां मंगलवार को स्टेड जियोफरॉय गुइचार्ड में अमेरिका की गिनी पर 3-0 की जीत के आखिर में एक व्यक्ति ने मैदान पर दौड़ लगाई। इसी स्टेडियम में अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच खेले गए मैच के दौरान दर्शकों ने उपद्रव मचाया था। मोरक्को के प्रशंसक तब मैदान में घुस आए थे जिससे खेल दो घंटे तक रोकना पड़ा था। अमेरिका और गिनी के बीच मैच के दौरान मैदान पर दौड़ लगाने वाला दर्शक गिनी के अलीउ बाल्डे से भिड़ गया था। सुरक्षा कर्मियों ने बाद में उसे पकड़ कर बाहर निकाला।

# पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर पिता के सपने को पूरा करना चाहती है किरण

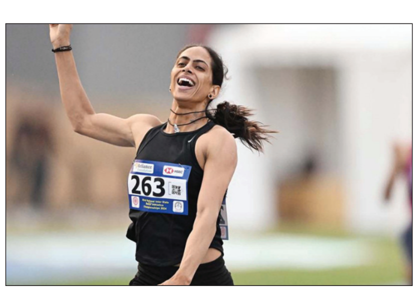

**पेरिस (एजेंसी)।** हरियाणा के खिलाड़ियों का खेलों में दबदबा साफ नजर आ रहा है मनु भाकर और सरबजोत सिंह के बाद बाद हरियाणा के सोनीपत की किरण पहल से पेरिस ओलंपिक की 400 मीटर रेस में पदक की उम्मीदें हैं। यदि किरण जीत हासिल करती है तो वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट होगी।

किरण की ओलंपिक तक की यात्रा काफी कठिन रही है। पिता ओमप्रकाश ने जब अपनी बेटी को खेल के मैदान में भेजा, तो गांववालों ने ताना मारा, लेकिन किरण ने अपनी मेहनत से सबको जवाब दिया। अब किरण पदक जीतकर अपने पिता के सपने को पूरा करना चाहती है। शुरुआत में लोग किरण के बाहर जाने पर सवाल उठाते थे, लेकिन आज हर कोई उसकी सफलता पर गर्व महसूस करता है। किरण के पेरिस ओलंपिक के चयन की खबर उन्हें टीवी से मिली, लेकिन अब पूरे परिवार को खुशी है कि वह अपने पिता का सपना पूरा कर रही है।

# पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

पेरिस। भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल बैडमिंटन मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। लक्ष्य ने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन के साथ जोनाथन को ग्रुप एल में रखा गया है। पहले मैच में उन्होंने केविन कॉर्डन को हराया था जबकि दूसरे मुकाबले मे बेल्जियम के जूलियन कैरेगी को पराजित किया। वहीं जोनाथन के खिलाफ पहले गेम में पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने जोरदार वापसी करते हुए 21-18 से बढ़त बनाकर जीत हासिल की। शुरुआती रैली में जोनाथन ने लक्ष्य के खिलाफ 5-1 की बढ़त हासिल कर ली। 4 अंकों से पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने जोरदार वापसी की। उन्होंने पिछड़ने के बाद 11-10 की बढ़त हासिल कर ली। मुकाबला 18-18 की बराबरी पर पहुंचा और फिर 3 लगातार अंक हासिल करके लक्ष्य ने 21-18 से पहला गेम जीत लिया। लक्ष्य के खिलाफ दूसरे गेम में जोनाथन ने बढ़त से शुरुआत की पर एक बार फिर से लक्ष्य ने अच्छी वापसी करते हुए 10-5 की बढ़त हासिल कर ली। 5 अंकों से आगे निकल चुके लक्ष्य ने स्कोर 13-9 पर पहुंचाया।

# वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग मं शामिल होंगी 6 टीमें

**जोहांसबर्ग (एजेंसी)।** यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

# मनु भाकर ने किया खुलासा बोलीं पीवी सिंधु के लिए बनाया था फेक अकाउंट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर ने इतिहास रचने वाली मनु भाकर ने बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में मनु ने खुलासा किया कि एक बार ऐसा हुआ जब मैंने सिंधु का बचाव करने के लिए एक फर्जी प्रोफ़ाइल बनाई थी, मैंने कुछ नफरत करने वालों की टिप्पणी देखी और मैं इतना भड़क गई थी कि मैंने उस पर उनका बचाव करने के लिए फेक अकाउंट बनाकर ट्रोलर्स को जवाब दिया था। सिंधु खुद पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचने की कोशिश में हैं। रियो 2016 में रजत और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीतने के बाद, सिंधु अब तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली व्यक्तिगत एथलीट बनने की कोशिश में हैं। 29 वर्षीय सिंधु ने मनु को लेकर भी पोस्ट शेयर किया है। बता दें कि पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। पिस्टल इवेंट में मनु ने एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतकर ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया है। बता दें कि मनु ने 15 मीटर पिस्टर इंवेंट में ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया था तो वहीं दूसरी ओर 15 मिटर मिक्सड डबल में सरबजोत के साथ मिलकर भारत को दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीताकर इतिहास रच दिया। मनु आजाद भारत में एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली भारत की इकलौते एथलीट बन गई है। मनु के कारनामें को देखकर पूरा भारत गर्व कर रहा है। एक ओर जहां दो ब्रॉन्ज मेडल जीतकर मनु ने इतिहास रचा तो वहीं उन्होंने भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु के लिए भी कुछ ऐसा काम किया था जिसकी अब तारीफ हो रही है। पिस्टल क्वीन ने खुलासा किया कि एक दफा उन्होंने सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर पीवी सिंधु के ट्रोलर्स को मुंह तोड़ जवाब दिया था।

# पेरिस ओलंपिक : महिला मुक्केबाज प्रीति पवार हारीं

पेरिस । भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार हार के साथ ही पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गयी हैं। प्रीति को महिलाओं के 54 किग्रा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की येनी मार्सेला एरियास ने हराया। इस मुकाबले में उन्हें 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इससे पहले भारत की ही एक अन्य महिला मुक्केबाज जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गये थे। जैस्मीन को फिलीपींस की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो ने 0-5 से हराया वहीं पुरुष वर्ग में अमि पंघाल को 51 किग्रा वर्ग में जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा ने 1-4 से हराया।

# एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...

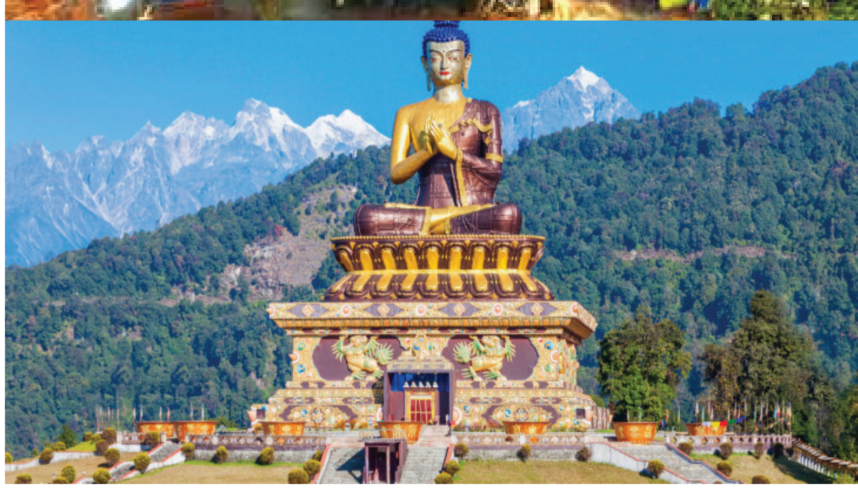

**अगर** आप सर्दी और क्रिसमस के दौरान विदेश यात्रा का प्लान बना रहे हैं, तो एक बार न्यूजीलैंड भी घूम आइए...। सर्दी और क्रिसमस की छुट्टियां निकट हैं। छुट्टियों के दौरान अक्सर लोग पर्वतीय, बर्फीले या समुद्री इलाकों में घूमना पसंद करते हैं, तो कुछ परंपरागत लोगों को वाइल्ड लाइफ और कुदरती खूबसूरती से भरे क्षेत्रों में फुर्सत के पलों को बिताना अच्छा लगता है। ऐसे में अगर विदेश में घूमने की प्लानिंग है, तो न्यूजीलैंड परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां बर्फीली चोटियां, झरने, द्वीप, अंगूर के बगीचे, लाल लकड़ियों वाले घने जंगल और दूर तक फैली समुद्र तट सब कुछ हैं।

यहां के नजारे आपको किसी स्वप्न लोक का एहसास कराएंगे। आइए, यहां के कुछ खुशनुमा पर्यटन स्थलों से आपको रूबरू कराते हैं... रोटोरुआ न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप स्थित रोटोरुआ अपनी कुदरती खूबसूरती की वजह से एक रहस्यमयी धरती है और आठवें अजूबे के रूप में दुनियाभर में लोकप्रिय है। इस स्थल को वर्ल्ड हेरिटेज का दर्जा भी हासिल है। यहां जमीन के अंदर से हर समय निकलते गर्म पानी के बुलबुलों को काफी उत्सुकता से लोग देखते हैं।

जमीन के गर्म पानी में वार्मबाथ लेने के लिए सैलानियों में यह क्षेत्र खूब लोकप्रिय है। इस जगह के कई और भी आकर्षण हैं। अगर आप यहां आएं, तो फ्लोटप्लेन और जेट बोटिंग का आनंद जरूर उठाएं। कंक्रीट के बने रनवे की बजाय पानी के ऊपर से ही ये प्लेन उड़ान भरते हैं। फिर सैलानियों को रोटोरुआ की हवाई सैर कराते हैं। ऊपर से शहर का प्राकृतिक नजारा देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। एडवेंचर के शौकीनों को भी यहां करने के लिए बहुत कुछ है, इनमें माउंटेन बाइकिंग, स्काई डाइविंग सैलानियों को खूब पसंद आती है।

अनुपम हैं प्राकृतिक नजारें-- नेपियर न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन से 320 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस शहर को माओरी भाषा में अहुरिरी कहा जाता है। यहां का हॉक्स बे इलाका पहाड़, समुद्रतट, बंदरगाह और हवाई अड्डे के कारण पर्यटन का मुख्य केंद्र है। लोग यहां दशकों पुरानी आर्ट डेको वास्तुकला को भी निहारने आते हैं। यहां का मियामी बीच काफी चर्चित है। खाने के शौकीन लोग अक्सर यहां खिंचे चले आते हैं, क्योंकि वाइन और फूड के लिए नेपियर काफी मशहूर है।

ऑकलैंड समुद्र तटों का आनंद उठाने के लिए ऑकलैंड बेहतरीन जगह है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण पानी के भीतर का सैर है। सैलानी इस यादगार लम्हे का लुत्फ उठाने से नहीं चूकते। चाहें तो यहां के नाइंटी माइल बीच पर गोताखोरी के साथ-साथ डॉलफिन मछलियों के साथ तैराकी का मजा भी ले सकते हैं। समुद्रतटों पर बने रिसॉर्ट में ठहरने का भी अपना एहसास है। यहां की रंगारंग पार्टियां, कसीनो, हॉट एयर बैलूनिंग, घुड़सवारी, बच्चों का एडवेंचर पार्क, क्लॉक म्यूजियम, काऊ वर्ल्ड पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। ऑकलैंड खरीदारी के लिए भी अच्छी जगह है। यहां कई फेमस रेस्टोरेंट और दुकानें हैं।

# प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए बेस्ट हैं राजस्थान की ये जगहें, जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आप

हम सभी यादों को कैद करने के लिए तस्वीरें लेते हैं। वहीं शादी के पलों को खासकर अपनी यादों में संजोना चाहते हैं। जैसे शादी से पहले प्री-वेडिंग फोटोशूट, पोस्ट वेडिंग शूट, मैटरनिटी शूट करवाते हैं। जिससे कि इन तस्वीरों को हम जब भी देखें, तो इन खूबसूरत पलों को यादकर मुस्कुरा सकें। इस सब के बीच आजकल के कपल्स प्री वेडिंग फोटोशूट करवाना पसंद करते हैं।

ऐसे में अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप भी प्री वेडिंग शूट के लिए खूबसूरत जगहों की तलाश कर रहे हैं। तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको राजस्थान की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। राजस्थान में आपको कई ऐसी लोकेशन मिलेंगी। जो आपको रॉयल फील देने का काम करेंगे। तो आइए जानते हैं उन जगहों के बारें में जहां पर आप प्री वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

**मंडावा-** अपनी खूबसूरत नक्काशी और कृतियों वाली हवेलियों के लिए जाना जाने वाला मंडावा रिच कल्चरल हेरिटेज डेस्टिनेशन है। ऐसे में आप यहां पर फोटोशूट करवा सकते हैं। शादी के सीजन में कई कपल्स यहां पर फोटोशूट करवाते हैं।

**बूंदी -** राजस्थान का बूंदी शहर अपने भव्य महलों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। यह हवेलियां और महल आपकी प्री-वेडिंग शूट को रॉयल लुक देने का काम करेगा। आप यहां पर तारागढ़ किला, रानी जी की बावड़ी आदि में अपना शूट करवा सकते हैं।

**शेखावाटी एरिया-** आपको बता दें कि शेखावाटी एक ओपन एयर आर्ट गैलरी है। यहां की हवेलियों में खूबसूरत पेंटिंग हो रखी है। प्री-वेडिंग शूट के लिए यह लोकेशन सबसे बेस्ट है। शेकावाटी एरिया का खूबसूरत लोकेशन आपके प्री-वेडिंग शूट में चार चांद लगाने का काम करेगा।

**रणकपुर-** रणकपुर 15वीं शताब्दी के जैन मंदिरों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। रणकपुर में कई ऐसी जगहे हैं, जहां पर आप प्री-वेडिंग शूट करवा सकते हैं।

**भरतपुर-** राजस्थान का भरतपुर अपने नेचर और वाइल्डलाइफ के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी प्री-वेडिंग शूट में वाइल्डलाइफ और नेचर का टच देना चाहते हैं, तो यह जगह परफेक्ट है। इसके अलावा भरतपुर में आप लोहागढ़ किले में भी शूट करवा सकते हैं।

**खिमसर-** दरअसल, यह गांवनुमा एक रिज़ॉर्ट है। यह जगह खिमसर किले और थार डेजर्ट के लिए जानी जाती है। यह जगह अपनी खूबसूरती के लिए काफी फेमस है। ऐसे में यहां पर प्री वेडिंग शूट करवाना एक यूनिक आइडिया हो सकता है।

**कुंभलगढ़-** कुम्भलगढ़ दुर्ग राजस्थान के राजसमन्द ज़िले में स्थित एक दुर्ग है। हांलाकि इस जगह को लोगों द्वारा काफी कम एक्सप्लोर किया गया है। ऐसे में यहां पर आपको प्राकृतिक सुंदरता और अनोखी हरियाली देखने को मिलेगी। वहीं प्री-वेडिंग शूट के लिए यह भी एक अच्छा ऑप्शन है।

**भैंसरोड़गढ़-** कई कपल्स प्री वेडिंग शूट के लिए थोड़ा यूनिक जगह की तलाश कर रहे हैं, तो भैंसरोड़गढ़ आपको निराश नहीं करेगा। भैंसरोड़गढ़ में नेचर और चंबल नदी का किनारा आपके शूट को खूबसूरत बनाने का काम करेगा।

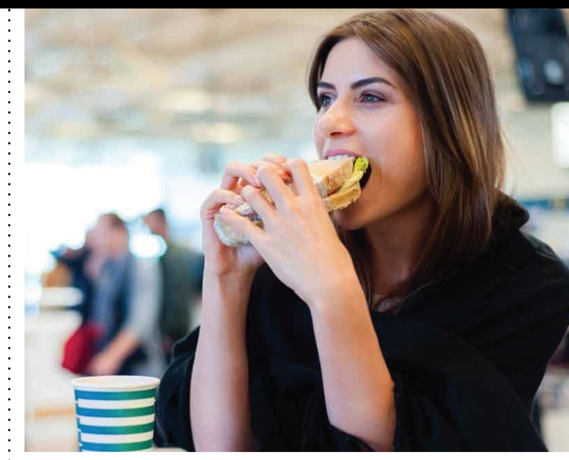

# सफर के दौरान इन चीजों का सेवन हो सकता है हानिकारक

लंबी छुट्टियों के दौरान हर कोई पूरे परिवार के साथ कहीं न कहीं घूमने जाने का प्लान बनाता है। गर्मियों की छुट्टी हो या वेकेशन हिल स्टेशन जाने का अपना ही मजा होता है। कई लोग सफर के दौरान गाने सुनते हैं तो कोई किताब पढते हैं तो कोई आराम करते हैं। सफर के समय भूख लगना एक बहुत ही ज़ाहिर सी बात हैं। हम घर से काफी सारी चीजें लेकर जाते हैं सफर के लिए लेकिन सफर में हम और चीजें भी खरीद लेते हैं। जिससे कई लोगों को सफर के दौरान उल्टी, जी मचलने की, सर घूमने की शिकायत रहती है और ऐसा होने पर सफर का मजा फीका पड़ जाता है। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि सफर में कि चिजों का सेवन हानिकार साबित हो सकता है।

**तला हुआ खाना -** ध्यान रहे कि सफर में कभी भी आप तले हुए खाने का सेवन ना करें ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान पहुंच सकता हैं। ट्रेन से यात्रा के दौरान कई बार स्टेशन पर समोसे, कटलेट जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें देखकर मन ललचाने लगता है और हम भूख न लगने पर भी इनका सेवन कर लेते हैं। बाहर खुले में बिकने वाली इन चीजों को यात्रा के दौरान खाने की गलती न करें।

**नॉन वेज -** अगर आप सफर के दौरान नॉन वेज खाते हैं तो वह आपके पेट के लिए सहीं नहीं हैं क्योंकि नॉन वेज काफी हेवी होता हैं और उसे पचने मे काफी समय लगता हैं और सफर में हम सिर्फ बैठे रहते हैं और हम ज्यादा हिल डुल नहीं सकते हैं जिससे नॉन वेज पच नहीं पाता हैं। इसलिए ध्यान रहें कि आप सफर के समय में हल्की चीजों का सेवन करें।

**दूध अंडा -** दूध और अंडा भी काफी भारी होते हैं हमारे पेट के लिए और इन्हें पचने में काफी समय लगता हैं तो अगली बार जब भी आप सफर करें तो ध्यान रहें कि आप दूध और अंडे का सेवन ना करें ताकी आपकी सेहत को कोई नुकसान ना हों और आपका सफर अच्छे से बीते।

**केले के चिप्स -** सफर के दौरान आप सूखे केले के चीप्स खा सकते हैं। ये आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इसके अलावा एक मुट्ठी बादाम, भूने हुए चने, पिस्ता, सूखे कॉर्नफ्लेक्स और मूंगफली को हल्का सा सरसों के तेल या ऑलिव ऑयल में फ्राई करके पैक करके रख लें। इनके अलावा आप सेब और केले का सेवन भी कर सकते हैं।

# नवविवाहित जोड़ों के लिए ये हैं 5 सबसे रोमांटिक डेस्टिनेशंस

अपने पार्टनर के साथ कुछ पल अकेले गुजारना चाहते हैं तो ट्रैवलिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। खासकर न्यूली वेड्स के लिए तो ऐसा करना बेहद यादगार हो सकता है। यहां है कुछ खास रोमांटिक डेस्टिनेशंस की लिस्ट, जहां आप अपने स्पाउस के साथ जाने की तैयारी कर सकते हैं।

**पॉन्डिचेरी-** 1499 में वास्को डी गामा ने इसे डिस्कवर किया था। पॉन्डिचेरी या पुडुचेरी दुनिया की सबसे ज्यादा रोमांटिक डेस्टिनेशंस में से एक है। यहां के फ्रेंच कोलोनियल बिल्डिंग्स और खूबसूरत चर्च देखने लायक हैं। होटल कोरामंडल हेरिटेज में आप एक आरामदायक स्टे कर सकते हैं। इसके अलावा प्रोमेनेड और ले रॉयल पार्क भी अच्छे होटल साबित होंगे। स्वाद का आनंद उठाना चाहते हैं तो कैफे जटासी, सत्संगा, बेकर स्ट्रीट बेस्ट हैं। पॉन्डिचेरी जाएं तो प्रोमेनेड बीच, पैरेडाइज बीच, ऑरोविल बीच, सेरेनिटी बीच बिलकुल भी मिस नहीं करें।

**वेनिस-** इटली का वेनिस भी दुनिया की बेहद रोमांटिक जगह में शामिल है। यहां के खूबसूरत कैनाल इस जगह के चार्म और मूड में चार चांद लगा देते हैं। ग्रिटी पैलेस, कार्निवल पैलेस और मोरेस्को जैसे होटल, वेनिस में रहने के लिए सबसे अच्छे माने जाते हैं। कैनाल में एक शानदार बोट-राइड न्यूली-वेड्स के लिए यादगार साबित होगी। ये गोंडोला राइड्स के नाम से मशहूर हैं। कैनाल के अलावा पियाजा सैन मार्को भी जरूर देखें। यहां के ला जुका, रिवेरिआ और अल मेरका जैसे रेस्ट्रॉन्ट्स भी बेहद पसंद आएंगे। कुलमिलाकर प्यार को सेलेब्रेट करने के लिए वेनिस से अच्छी जगह नहीं होगी।

**बोरा बोरा-** बोरा बोरा को परफेक्ट लवर्स पैरेडाइज भी कहा जा सकता है। ये न्यूलीवेड्स के लिए आदर्श हनीमून डेस्टिनेशन है। यहां का माहौल किसी सपने जैसा महसूस होता है। ऐसा लगता है मानो आप दूसरी ही दुनिया में आ गए हों। एक कोजी स्टे के लिए आप होटल ले मेरीडियन, होटल मैटेयी और ब्लू हेवन आइलैंड ट्राय करें। रेस्ट्रॉन्ट्स में ला विला महाना, द लकी हाउज और ते पहु में शानदार मील्स लिए जा सकते हैं। यहां का सनसेट आप अपने पार्टनर के साथ खूब एन्जॉय करेंगे।

**पैरिस-** खुद को एक परफेक्ट रोमांटिक फैंटेसी में देखना चाहते हैं तो पैरिस से अच्छा कुछ नहीं। यहां के होटल रेसिडेंस फो, एक्रोपोल और शांग्रीला में रोमांटिक और बेहद आरामदायक स्टे किया जा सकता है। इस सिटी में अपने पार्टनर का हाथ पकड़कर पैदल घूमने का अलग ही मजा है। नोट्रे डेम या आइकॉनिक एफिल टॉवर में पिक्चर्स क्लिक करवाएं। पैरिस का माहौल आपकी मैरिड लाइफ में काफी रस घोल सकता है।

**कॉट्सवोल्ड्स-** इंग्लैंड का कॉट्सवोल्ड्स हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां आपको बहुत प्रिवेसी मिलेगी और साथ ही फिशिंग, स्विमिंग और बोटिंग एन्जॉय करने का वक्त भी मिलेगा। कॉट्सवोल्ड्स में ओल्ड स्टॉक इन, मेटाइम इन और बार्न्सले हाऊस में स्टे करें और यहां के अद्भुत व्यू का आनंद उठाएं। वारविक कासल, एवॉन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जैसे लैंडमार्क्स बिलकुल मिस नहीं करें। सबसे अच्छा खाना खाने के लिए ल्युमिएर, ग्रेप एस्केप और डिनर एट सिक्स जाएं। इस जगह की हरियाली आपके अंदर के नेचर लवर को बाहर निकाल कर ले आएगी। यहां के पार्क में एक रोमांटिक पिकनिक करें। ये आपकी यादों में हमेशा बनी रहेगी।

## ़ट में पति पत्नी के बीच चले लात घूंसे, ी पड़ी एमरजेंसी लैंडिंग!

ते-पत्नी की लड़ाइयों के तो तमाम किस्से आपने सुने होंगे। हालांकि र हवाई रास्ते में भिड़ जाए, तो क्या होगा? रिपोर्ट के मुताबिक डबलिन एक फ्लाइट में बीच रास्ते मियां-बीवी ऐसे भिड़े कि उड़ान को वापस ड़ गया। करीब 7 बजकर 15 मिनट पर डबलिन से चली थी। उड़ान के क घंटे के बाद ही क्रू ने घोषणा कर दी कि एक एमरजेंसी आ गई है। ये एमरजेंसी एक कपल के बीच हो रही लड़ाई थी। क्रू ने उन्हें समझाने ला शांत करने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने बल्कि एक-दूसरे -पीटने पर आमादा हो गए। जब बात उनके हाथ से निकलने लगी तो ने इसके बारे में कंट्रोल रूम को बताया और फ्लाइट की एमरजेंसी नतेस एयरपोर्ट पर कराई गई। लड़ाई के दौरान महिला के चेहरे पर चोट थी, जिसकी वजह से फ्लाइट लैंड होने के बाद उसके पार्टनर को किया गया। इस घटना की फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही

## ल की नदी में नाव पलटने से तीन लोगों ौत, नौ लापता

ज़लो। उत्तरी ब्राजील की अमेजन नदी में नाव पलटने से एक साल के बच्चे न लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए जिनमें से नौ लापता बताए । मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाव पर दो सौ से ज्यादा यात्री सवार थे। क एमेज़ोनस स्टेट के उआरिनी म्युनिसिपैलिटी के पास विस्फोट के बाद ग लग गई। रिपोर्ट में पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि नाव में सवार दो सौ लोगों म से कम 183 लोग सुरक्षित बचने में सफल रहे। यह तीन दिनों में ह में यात्री नाव पर लगी दूसरी घटना थी। शनिवार को भी एक नाव में ने के बाद पलट गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और पांच गए।

## ी ने काटा, आंखों से बहने लगा खून ुखार के साथ मौत

मकड़ी के काटने से भी मौत हो सकती है ऐसा शायद ही कभी किसी ने लेकिन स्पेन में इस तरह की घटना सामने आई है। जहां एक 73 साल के मकड़ी के काटने से मौत हो गई। पहले आंखे लाल हुई फिर बुखार र अस्पताल ले जाते ही उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेन के रहने वाले 74 साल का एक शख्स घर के अंदर बैठा हुआ था। ठीक उसे टिक ने काट लिया। टिक हमारे यहां मकड़ी की तरह का ही एक इसके बाद उस शख्स को बेचैनी होने लगी। कुछ ही देर बाद आंखें लाल खून बहने लगा। परिवार और दोस्तों ने उन्हें जुआन कार्लोस हॉस्पिटल में कराया। डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि मकड़ी के काटने से वे एक मारी का शिकार हो गए हैं। इसे क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार के जानते हैं। यह इबोला जैसा खतरनाक रोग है, जिसमें 40 फीसदी तक की मौत हो जाती है। अब तक इस बीमारी का कोई टीका नहीं बन पाया। थ ऑर्गनाइजेशन ने इसे बेहद खतरनाक वायरस की सूची में लिस्ट स्पेन में मई 2020 के बाद इस बीमारी से मरने वाला यह पहला शख्स वायरस के ज्यादातर मामले बुल्गारिया में सामने आए हैं। 1950 में र इसका संक्रमण देखा गया था। अब तक ब्रिटेन, ग्रीस, स्पेन और पा में इसके कई मामले सामने आ चुके हैं। अगर यह वायरस शरीर में तो बुखार से शुरुआत होती है। फिर मांसपेशियों में दर्द होने लगता है। , गले में खरास और उल्टी होने लगती है। मूड में उतार-चढ़ाव और भ्रम साथ नींद भी खूब आती है। नाक, आंखों या त्वचा से खून आने लगता वायरस मकड़ी के काटने से फैलता है, इसलिए अगर इसका मरीज कहीं तो लोगों तक संक्रमण पहुंचा सकता है।

## में प्यार और रोमांस को बेचा जा रहा है लेकर, सड़क पर रेट कार्ड लेकर बैठीं कियां

आप अब तक किराये पर मिलने वाली चीजों के तौर पर घर, सामान ड़ों के बारे में ही जानते होंगे लेकिन आजकल रिश्ते भी भाड़े पर मिल पड़ोसी देश चीन में प्यार और रोमांस के छोटे-छोटे लम्हे - जैसे किस ले लगना, फिल्म देखना, साथ खाना बनाना आदि दुकान लगाकर बेचा न्हें खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। आपने दुकानें तो बहुत देखीं कन शायद ही कोई दुकान देखी हो, जिस पर खुलेआम 'प्यार' बिक रहा थ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पड़ोसी देश चीन की र ऐसे कई स्टॉल्स मिल जाएंगे, जहां प्यार का इज़हार माने जाने वाली बिक रही हैं। यहां बाकायदा लड़कियां रेटकार्ड सजाकर बैठी हुई होती र 'किस' से लेकर 'गले लगाने', 'ड्रिंक करने', 'साथ फिल्म देखने' सर्विसेज़ बेची जा रही हैं। इसके लिए ग्राहकों से 11 रुपये से लेकर 461 क का चार्ज रखा गया है। चीन के सोशल मीडिया वीबो पर सड़क पर गाकर बैठ रहीं गर्लफ्रेंड्स की तस्वीरें और वीडियो छाए हुए हैं। हाल ही में सड़क पर इमोशनल कनेक्शन को बेच रही लड़कियों की कुछ तस्वीरें हुईं। पेड कम्पेनियनशिप के इस आइडिया से लड़कियां पैसे कमा रही हैं, समें किसी तरह का अंतरंग संबंध शामिल नहीं होता। गले लगने के लिए रुपये (1 युआन) देने होते हैं, जबकि किस करने के लिए 110 रुपये ान), फिल्म देखने के लिए 150 रुपये (15 युआन) देने होते हैं। अगर में घर के काम करना चाहे तो 2000 रुपये (20 युआन) और एक घंटे के लिए 4100 रुपये (40 युआन) देने होते हैं। लोग इस पर अलग-तिक्रिया दे रहे हैं। किसी का कहना है कि स्ट्रीट गर्लफ्रेंड का कॉन्सेप्ट कुछ का कहना है कि ये महिलाओं की बेइज्ज़ती है। बता दें कि हममें से लोग ऐसे होते हैं, जो रिलेशनशिप से इसलिए भागते हैं क्योंकि वो नहीं होना चाहते। उन्हें प्यार और जज़्बात तो चाहिए, लेकिन किसी ट के साथ बिल्कुल नहीं।

## दमस की भविष्यवाणी : 4 साल बाद जाएंगे एलियंस और सौर मंडल में गा जीवन

न (ईएमएस)। जीवित नास्त्रेदमस के नाम से मशहूर एथोस सैलोमे की कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं। ब्रिटेन की महारानी क्वीन थ द्वितीय के मौत की भविष्यवाणी भी वह कर चुके हैं। वहीं एलन मस्क र खरीदने, स्पेन के यूरो 2024 जीतने समेत तीसरे विश्वयुद्ध की णी उन्होंने की है। अब वह एलियन को लेकर भी बड़े-बड़े दावे कर रहे महीने उन्होंने दावा किया था कि 2026 और 2028 के बीच विदेशी खोज के लिए सरकारों और धार्मिक निकायों को नैतिक विचारों के करने की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2028 लोगों के बीच के निवासियों के अस्तित्वकी मान्यता को चिह्नित करेगा। उन्होंने कहा निक दुनिया में वैज्ञानिकों के शोध ने साबित कर दिया है कि ये णियां सही हो सकती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आखिर वैज्ञानिकों कहां मिलेगा। एथोस का कहना है कि नासा और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के चंद्रमा यूरोपा पर समुद्र की गहराई में जीवन की खोज करेंगे। 2026 28 के बीच होने वाली इस खोज में ऐसे जीव शामिल होंगे जो पृथ्वी पर सी भी चीज की तुलना में जैविक रूप से कहीं ज्यादा जटिल होंगे। एथोस यवाणी ऐसे समय में हुई है, जब हाल ही में वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर तल पर आल जैसी असामान्य गांठों की खोज की है, जो पूर्ण अंधेरे में

ब्रिटेन में चाकूबाजी के शिकार लोगों के ऊपर फूल बरसाते हुए लोग।

## पाकिस्तान में घर से लेकर बाह तक कलह ही कलह

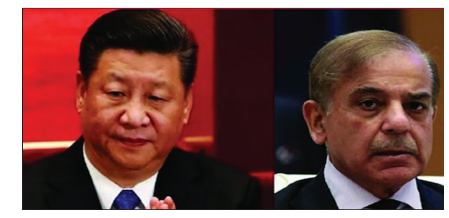

इस्लामाबाद। बीजिंग हर परिस्थिति और हर हा इस्लामाबाद का साथ देता आ रहा है। यह जानते हुए पाकिस्तान आतंकवाद के लिए सुरक्षित पनाहगाह है, चीन समर्थन करता रहा है। हालांकि, लगता है अब दोनों देशों सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है। चीन के जिस जाल में अ लेकर श्रीलंका तक जैसे देश फंस चुके हैं, अब पाकिस्ता उसका शिकार बन चुका है। चीन-पाकिस्तान इक कॉरिडोर के तहत दोनों देशों के बीच एनर्जी सेक्टर में ए हुआ था, जिसके तहत इस्लामाबाद को निर्धारित समय की रकम चुकानी थी। पाकिस्तान का खजाना खाली है, ऐ शर्तों के अनुसार लोन की राशि नहीं चुका पा रहा है। व कंपनियां अब पाकिस्तान में और पावर प्लांट लगाने से क हैं तो दूसरी तरफ चीन सरकार लोन रिपेमेंट में ढिलाई ब मूड में नहीं दिख रहा है।लोन की बकाया राशि के लिए ओर से पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहा है। हा देखते हुए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने मंत्रियों को बीजिंग भेजा है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के पहले चीन इस मसले पर बातचीत के लिए ही तैयार नहीं थ इसकी अनुमति दी गई।

# कमला हैरिस का ट्रंप को बड़ा चैलेंज, क्या होगा रिपब्लिकन का जवाब?

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती दी गई है। कमला हैरिस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि बहस पर पुनर्विचार किया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आपको बता दें कि अमेरिका में जब भी राष्ट्रपति चुनाव होते हैं तो उसके पहले अलग अलग पार्टियों के उम्मीदवारों के बीच में डिबेट होती है। डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच में जुलाई के महीने में डिबेट हो चुकी है। जिसमें जो बाइडेन ट्रंप के मुकाबले कमतर नजर आए थे। बाइडेन के सहयोगियों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति अपनी उम्र को लेकर बनी हुई चिंता को दूर करने के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर दिखाएंगे। इसके लिए डिबेट में कई बदलाव भी करवाए गए। उनका यह सपना टूट गया। बाइडेन अपने फैसलों का बचाव करते दिखे। ट्रम्प प्रवासियों जैसे 30 अहम मुद्दों पर पूरे जोश से झूठ बोल गए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति पद की दौड़ में अपने कदम आगे बढ़ा दिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके चल रहे साथी जेडी वेंस को डिबेट के स्टेज पर उनसे मिलने और उनकी चिंताओं को सीधे संबोधित करने की चुनौती दी है। उन्होंने रिपब्लिकन द्वारा अवरुद्ध किए गए सीमा सुरक्षा बिल को फिर से पेश करने का भी वादा किया और कीमतों में बढ़ोतरी और लागत कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। जॉर्जिया में एक कार्यक्रम के दौरान हैरिस ने इस दौरान कहा कि तो, वह (ट्रम्प) बहस नहीं करेंगे। लेकिन ऐसा लगता है कि उनके और उनके साथी (जेडी वेंस) के पास मेरे बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है। और वैसे, क्या आपको उनकी कुछ बातें बस नहीं लगतीं बिल्कुल अजीब? ठीक है, डोनाल्ड, मुझे उम्मीद है कि आप बहस के मंच पर मुझसे मिलने पर पुनर्विचार करेंगे, क्योंकि, जैसा कि कहा जाता है, 'अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है, तो इसे मेरे चेहरे पर कहें।

हैरिस ने आधिकारिक तौर पर 5 नवंबर के चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि उनके मैदान में आने के बाद रेस की गति बदल गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प ने सितंबर में उस बहस से खुद को अलग कर लिया था जिसके लिए वह पहले सहमत हुए थे जब बिडेन दौड़ में थे। अभियान के अनुसार, एक प्रमुख युद्धक्षेत्र राज्य अटलांटा में उनकी रैली में लगभग 10,000 लोग शामिल हुए।कहा जाता है, %अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है, तो इसे मेरे चेहरे पर कहें।

## हो गया युद्ध का ऐलान? ईरा की मुख्य मस्जिद पर फहराए गए लाल झंडे का क्या मतल

**(एजेंसी)।** हमास के चीफ के लिए ईरान से ज्यादा सुरक्षित जगह पूरी दुनिया में और कोई हो ही नहीं सकती थी। लेकिन फिर भी उसके लिए सेफ हेवन कहे जाने वाली जगह पर हानिया की मौत हो गई। ईरान की धरती पर हुए इस अटैक के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि तेहरान की तरफ से पलटवार किया जा सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में ईरान ने कहा कि इजरायल को इस हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अब खबर है कि तेहरान से 120 किलोमीटर दक्षिण में एक ईरानी शहर क़ोम में जामकरन मस्जिद के मुख्य गुंबद के ऊपर एक लाल झंडा फहराया गया। माना जा रहा है कि ईरान ने इजरायल के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया है और ये लाल झंडा बदला लेने का संकेत है।

ये हमला ईरान की राजधानी तेहरान में पूरा गया। इस्माइल हानिया को उसके बॉडीगार्ड समेत मौत के घाट उतार दिया गया। इस हमले के बाद तेहरान में सुरक्षा सख्त कर दी गई हैईरान की सर्वोच्च सुरक्षा परिषद ने ह हत्या के लिए इजरायल को बताया है। इस बैठक में कुद्स चीफ भी मौजूद थे। इस बैठ के बदले का संकल्प लिया ग राजनीतिक चीफ की मौत पर पोलिटिकल ब्यूरो के एव मोउसा अबू मरजूक ने कहा कि की मौत की बदला लिया उन्होंने कहा कि इस्माइल ह 'कायरतापूर्ण' हत्या का ज जाएगा। जामकरन मस्जिद एक उपनगर में स्थित है, जो शिया शहर और ईरान व धर्मशास्त्र शिक्षा केंद्र है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली के सत्ता में आने के बाद इस्ला ईरान में मस्जिद को आ महत्व मिल गया। मस्जिद की के अनुसार, सुलेमानी उस स्थ हुए थे और अक्सर इबादत लिए वहां जाते थे।जामकरन का पिछले 30 वर्षों में काप किया गया।

## इस्लाम के नाम पर आतंकवाद की पैरवी करने वाले अंजेम चौधरी को आजीवन कारावास

**लंदन (एजेंसी)।** इस्लाम के नाम पर बड़े बड़े उपदेश देकर युवाओं को बहकाने वाले ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक अंजेम चौधरी को आतंकवादी संगठन चलाने का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।चौधरी को पिछले सप्ताह अल-मुहाजिरून (एएलएम) चलाने का दोषी पाया गया था। इस संगठन को एक दशक से भी अधिक समय पहले आतंकवादी संगठन मानते हुए प्रतिबंधित कर दिया गया था। जस्टिस मार्क वॉल ने ब्रिटिश-पाकिस्तानी उपदेशक के लिए आजीवन कारावास की सजा की घोषणा की है। उसे कम से कम 28 साल की सजा होगी। वॉल ने लंदन के वूलविच क्राउन कोर्ट में चौधरी से कहा कि एएलएम जैसे संगठन ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से हिंसा की बात करते हैं। जज ने कहा, उनका अस्तित्व उन व्यक्तियों को साहस देता है जो उनके सदस्य हैं। वे उन लोगों के बीच दरार पैदा करते हैं जो शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रह सकते हैं। चौधरी के वकील पॉल हाइन्स ने तर्क दिया कि यह समूह एक संगठन से ज्यादा कुछ नहीं है और इससे जुड़े लगभग सभी हमले पहले ही हो चुके हैं। ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा की पुलिस ने संयुक्त जांच के बाद सबूत इकट्ठा किए कि अंजेम चौधरी न्यूयॉर्क में स्थित अनुयायियों के साथ ऑनलाइन व्याख्यानों के माध्यम से एएलएम चला रहा था। अभियोजकों ने कहा कि इस समूह ने कई नामों से काम किया है। न्यूयॉर्क स्थित इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी भी इसी का हिस्सा है। न्यूयॉर्क की डिप्टी पुलिस कमिश्नर रेबेका वेनर ने मामले को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इस्लामिक थिंकर्स सोसाइटी एएलएम की अमेरिकी शाखा थी। चौधरी को उसके एक अनुयायी खालिद हुसैन के साथ दोषी ठहराया गया है। अभियोजकों के अनुसार, वह समूह का एक समर्पित समर्थक भी था। कनाडा के एडमोंटन के रहने वाले हुसैन को प्रतिबंधित संगठन की सदस्यता लेने का दोषी पाया गया। उसे पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई। हुसैन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने के एक साल बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया था।

# हानिया की मौत पर हमास ने दी इजराइ को धमकी, जल्द लेंगे मौत का बदला

### -मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति के पद ग्रहण समारोह में हमास चीफ हुआ था शामिल

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इजरायल ने बुधवार तड़के हमास चीफ को ईरान की राजधानी तेहरान में मारा गया जिसकी पुष्टि हमास ने की है। हमास ने एक बयान जारी कर कहा कि विश्वासघाती इजरायली हमले में तेहरान में फिलिस्तीनी समूह के पोलित ब्यूरो प्रमुख की मौत हो गई है। हानिया ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के पद ग्रहण समारोह में शामिल होने तेहरान आए थे।

हमास पोलिटिकल ब्यूरो के सदस्य मोउसा अबू मरजूक ने कहा कि हानिया की मौत का बदला लेंगे। उन्होंने कहा कि इजराइल को हानिया की कायरतापूर्ण हत्या का जवाब दिया जाएगा। कतर में रह रहे हानिया मंगलवार को ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान के पद ग्रहण समारोह में नजर आए थे। ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान हानिया ने हमास और फिलिस्तीन को समर्थन के लिए ईरान का आभार माना था। तेहरान में अपने आवास पर इजरायली हमले में मारे जाने से कुछ घंटे पहले हानिया ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई से भी मिले थे।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्युशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा है कि हानिया के साथ उनके बॉडीगार्ड भी मारे गए हैं। बयान में कहा गया कि हमला बुधवार तड़के हुआ और हमले के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जारी है। फिलिस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने हमास चीफ की हत्या की निंदा की है और इसे इजराइल की कायरतापूर्ण हरकत बताया है। उन्होंने कहा है कि इस्माइल हानिया की हत्या करना बेहद खतरनाक प्रगति है।

### दुनियां से गंदगी साफ करने का यही सही तरीका : इजराइल

इजराइल के हेरिटेज मंत्री अमिहाई एलियाहू ने हानिया की हत्या की खबर सामने आने के बाद एक्स पर लिखा- दुनिया को इस गंदगी से साफ करने का यही सही तरीका है। अब कोई काल्पनिक शांति या आ समझौता नहीं होगा। ऐसे लोग कोई दया नहीं दिखाई जाएग आगे कहा कि जो मजबूत ह हमला करेगा वह शांति अ आराम लाएगा और शांति च के साथ शांति से रहने की हम को मजबूत करेगा। हानिया दुनिया को बेहतर बनाती है।

### ईरान भी नहीं बचा आतंकी चेहरे को : व

अमेरिकी सांसद माइक हानिया की मौत पर कहा है हमास का आतंकी चेहरा था ि भी नहीं बचा सका। एक्स प लिखा-वह इंसान अयातुल्ला मेलजोल रखता था, कतर औ लक्जरी होटलों में दरबार ल उन्होंने कहा कि गाजा में गरीबी में जी रहे हैं, वहां वह तस्करी करके अरबों डॉलर क की। यहां तक ??कि आईआ उनकी रक्षा नहीं कर सकी।

# क्या फिर होगा पाकिस्तान का बंटबारा.... हालात दिख र

**फिलाडेल्फिया (एजेंसी)।** इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन देखा जा रहा है। बलोच कार्यकर्ता महरंग बलोच ने ग्वादर में प्रदर्शन पर बैठ गई हैं। पाकिस्तानी अधिकारी उन्हें हटाने की कोशिश में लगे हैं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। बलूचों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार बंदूकों के जरिए उन्हें डराना चाहती है, लेकिन वह ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बलूचों का आरोप है कि पाकिस्तान और चीन मिलकर बलोचिस्तान के संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं। वहीं कई एक्सपट्र्स का मानना हैं कि ये प्रदर्शन उसी तरह हैं, जिसने पूर्वी पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बना दिया था। आज के समय कई प्रदर्शन महिलाएं लीड कर रही हैं और ऐसा ही कुछ हमें बलोचिस्तान में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान की पॉलिटिस में बहुत कुछ बदल रहा है। महिलाओं और युवाओं को आगे किया जा रहा है, जो कि सॉफ्ट बेस हैं। बलोचिस्तान की कई छात्राएं मारी गई, अरेस्ट हुईं और प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जो कुछ नया नहीं है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कोई भी प्रदर्शनकारी सरकार की बातचीत पर भरोसा नहीं करता। उन्हें पता हैं कि पाकिस्तान सरकार की ओर से लिखित में भी शर्तें मान ली जाती हैं। लेकिन बाद में वे पलट जाते हैं। उन्होंने कहा, बलोचिस्तान के प्रदर्शन में अगर उनकी मांगें लेकिन पाकिस्तान में लोग खुद मान रहे हैं, जैसे बलूचों ने खुद को अलग करने की मांग कर ली है।

जानकार कहते हैं कि हमारे लोकतंत्र में बलोचिस्तान है। लेकिन उन्हें यह हक नहीं दिया गया कि वह खुद का फैसला कर सके। हर किसी को पता है कि यह कठपुतली सरकार है। जो लोग प्रदर्शन कर रहे हैं उनमें से कई लोगों के परिवार वालों ने सरकार के खिलाफ बंदूक उठा रखी है।

### बांग्लादेश जैसा होगा हाल?

उन्होंने कहा, बलूचिस्तान को इतनी आजादी दी जाए कि वह ख़ुद का फैसला ले

विरोधी लोग सदन में आएंगे और वे फैसले जो थे। आपने पहले ही सोच कर रखा है

# बैटरी से लगी आग, 3 बच्चियां जिंदा जलीं

## नोएडा में बेड पर सो रही थीं, पिता की हालत गंभीर

**नोएडा (एजेंसी)**

नोएडा में घर में आग लगने से 3 बच्चियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पिता भी झुलस गया है, उसकी हालत गंभीर है। आग घर में रखी बैटरी में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। हादसा बुधवार सुबह 4 बजे हुआ।

उस वक्त पूरा घर गहरी नींद में सो रहा था। आग इतनी तेज लगी कि किसी को बाहर भागने का मौका तक नहीं मिला। पिता ने बच्चियों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वह बेहोश होकर गिर गया। वहीं मां भी झुलस गई है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना सेक्टर-8 स्थित जेजे कॉलोनी की है। ष्ठष्टक्क राम बदन सिंह ने बताया- आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी। दमकल की 2 गाड़ियों ने 10 मिनट पर आग पर काबू पा लिया, लेकिन 3 बच्चियों को नहीं बचाया जा सका।

### बेड पर सो रही थीं बच्चियां

DCP ने बताया- बच्चियां परिवार के साथ कमरे में सो रही थी। बच्चियां बेड पर थी। पिता दौलत राम (32) जमीन पर सो रहे थे। मां मीनू कमरे के बाहर सो रही थी। हादसे में मारी गई बच्चियों की उम्र 5 से 10 साल के बीच है। इनका नाम आस्था (10), नैना (7) और आराध्या (5) हैं। दौलत राम को गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। मीनू का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घर का सारा सामन जलकर राख हो गया।

### लाइट काटी गई, लोग बाल्टियां लेकर दौड़े

मौके पर मौजूद पड़ोसियों ने बताया- सुबह के करीब 3 बजे होंगे, तभी हम लोगों को चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। जब बाहर निकलकर देखा तो दौलत राम के कमरे से धुआं निकल रहा था। इसके बाद हम लोग पास गए, देखा उसके कमरे में आग लगी है। फिर पूरा मोहल्ला इकट्ठा हो गया। हमने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग बुझाने की कोशिश भी की। पुलिस ने तीनों बच्चियों को बाहर निकाला। दौलत राम भी बहुत जल गया है। दयाशंकर वर्मा ने कहा- फायर ब्रिगेड की गाड़ी करीब आधा घंटे बाद पहुंच गई थी। इसके बाद लाइट काटी गई। हम लोगों ने बाहर जो आग लगी थी, उसे बाल्टियों में पानी भरकर बुझा दिया। लेकिन, अंदर आग बहुत तेज थी। वो नहीं बुझी। उसे फायर ब्रिगेड वालों ने बुझाया। इसके बाद पिता और तीन बेटियों को बाहर निकाला गया। इन्हें प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया था। हरिओम ने बताया- पूरा परिवार चार साल से यहां रह रहा था। हमें यही बताया जा रहा है कि बैट्री में आग लगने से हादसा हुआ है। अच्छे लोग थे। दौलत राम या उनकी पत्नी का कभी किसी से कोई झगड़ा नहीं हुआ। परिवार मिलनसार था।

### कमरे में रखी थी बैटरी

दौलत राम ई-रिक्शा चलाता है और किराए के मकान में रहता है। ई-रिक्शा की बैटरी कमरे में रखी हुई थी, जो चार्जिंग में लगी थी। आशंका जताई जा रही है कि चार्जिंग के दौरान शॉट सर्किट हुआ और आग लग गई। डीसीपी रामबदन सिंह ने कहा- बच्चियों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। पीड़ित परिवार के अन्य रिश्तेदार भी आ गए हैं।

## बहू को जिंदा जलाया......पति, सुसर और सास को आजीवन कारावास

**वाराणसी ।** दहेज को लेकर विवाहिता को शादी के 106 दिन बाद मिट्टी का तेल उड़ेल कर जला दिया गया। मामले में अपर जिला जज (सप्तम) अवधेश कुमार ने पति आशीष कुमार सिंह, ससुर अशोक और सास मंगला देवी को दोषी करार दिया है। अदालत ने तीनों को आजीवन कारावास और 15-15 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अदालत ने कहा कि किसी जीवित व्यक्ति को आग में जलाना एक क्रूरतम प्रकृति का अपराध है। यह कृत्य विवाहिता को अत्यंत वेदना देने वाला था। कावर गांव निवासी भरत सिंह की पुत्री अर्चना की शादी 28 अप्रैल 2016 को आशीष के साथ हुई थी। ससुराल जाने पर शादी में कम दहेज देने की बात कहकर आशीष और उसके माता-पिता अर्चना को ताना मारने लगे। 12 अगस्त 2016 की शाम ससुराल में अर्चना के ऊपर मिट्टी का तेल उड़ेल कर बहू अर्चना को जला दिया गया।

## 108 बोतल मदिरा से किया गया कालभैरव का श्रृंगार

**वाराणसी ।** बाबा कालभैरव ने बाबा बर्फानी के रूप में भक्तों को दर्शन दिए। 151 बर्फ की सिल्लियों से अमरनाथ और केदारनाथ की झांकी सजाई गई। इस दौरान 108 बोतल मदिरा की माला पहनाई गई। बाबा के वार्षिक श्रृंगार पर मंदिर में दर्शन के लिए सुबह से ही भक्त पहुंचने लगे। मंगला आरती के बाद दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। दोपहर में ढाई घंटे तक महंत पं. रमेश दुबे के आचार्यत्व में पुजारी पं. पवन उपाध्याय की देखरेख में बाबा का श्रृंगार किया गया। पंचामृत स्नान कराकर सिंदूर का लेप लगाया गया। स्वर्ण मुखौटा धारण कराने के बाद फल व फूल सहित विविध नैवेद्य अर्पित किए गए। बाबा कालभैरव को मदिरा की 108 बोतलों की माला बनाकर पहनाया गया था। पुजारी उपाध्याय ने बताया कि भक्त मदिरा चढ़ाते हैं, उसे उन्हीं में वितरित कर दिया जाता है।

## छत पर सो रहा था परिवार.....चोरों ने घर को कर दिया पूरा साफ

**आजमगढ़ ।** आजमगढ़ के फूलपुर क्षेत्र के अंबारी बाजार में चोरों ने खाली मकान का फायदा उठाकर हजारों की नकदी सहित लाखों का जेवर चुरा लिया। घटना से बाजारवासियों में दहशत का माहौल है। अंबारी निवासी बजरंगबली पांडेय सीआरपीएफ में सब-इंस्पेक्टर पद से सेवानिवृत्त होकर घर पर ही रहते हैं। बीती रात गर्मी अधिक होने के कारण पूरा परिवार छत पर सो रहा था। तभी चोर घर के दरवाजे का ताला तोड़ अंदर घुसे। चोर ने घर की बहू का 22 थान सोने का जेवर और 8 थान चांदी का जेवर उठा ले गए। सुबह उठने पर दरवाजे का ताला टूटा देखकर परिवार को अनहोनी की आशंका हुई। अंदर जाने पर बक्सा, आलमारी और अटैची का ताला टूटा हुआ मिला। सामान पूरे कमरे में फैला हुआ था।

## मर्सिडीज का इंजन दूर गिरा, शीशे चकनाचूर......लेकिन सुरक्षित हैं योगी के मंत्री के बेटा-बहू

**लखनऊ ।** कन्नौज के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बीती शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में मर्सिडीज सवार यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे और बहू घायल हुए है। इलाज के लिए उन्हें लखनऊ लाया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। इसकी जानकारी खुद मंत्री नंदी ने दी है। उन्होंने बताया कि बेटे अभिषेक और बहू कृष्णिका दोनों सुरक्षित हैं, हालांकि कुछ चोटें हैं, जिनका उपचार चल रहा है। दरअसल, दिल्ली से लखनऊ आ रहे मंत्री नंदी के बेटे और बहू की मर्सिडीज कार कन्नौज और तिर्वा के कट पर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का इंजन निकलकर दूर जा गिरा। गनीमत रही एयरबैग खुल गए जिससे अभिषेक और कृष्णिका को कोई गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद सड़क पर मर्सिडीज कार के पाट्‌र्स बिखरे पड़े थे। बोनट टूटकर जमीन पर पड़ा था। इंजन दूर जाकर गिरा। शीशे चकनाचूर थे। वहीं, कृष्णिका चोटिल हालत में सड़क किनारे बैठी थीं। अभिषेक भी चोटिल थे। कुछ ही देर में मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल भिजवाया। हादसे पर मंत्री नंदी ने बताया कि तस्वीरों की भयावहता देखकर यही लगता है कि जैसे स्वयं महादेव ने साक्षात उपस्थित होकर किसी अनहोनी को टाल दिया। मन-मस्तिष्क में 12 जुलाई 2010 की वह विकट घटना कौंध गई, जब इसी सावन के महीने में महादेव ने मुझे मौत के मुंह से वापस खींच लिया था। मंत्री नंदी के मुताबिक, बेटे-बहू की खबर मिलते ही सीएम योगी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी सहित तमाम नेताओं/मंत्रियों ने फोन कर हाल-चाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। फिलहाल, बेटे और बहू सुरक्षित हैं। हादसे में उन्हें कुछ चोटें आई हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

## बारिश से यूपी विधानसभा में भरा पानी, खुली नगर निगम के दावों की पोल

### बिजली गिरने से दस की मौत, 24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

**नई दिल्ली। (एजेंसी)**

देश के मध्य, पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में मानसून सक्रिय है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को 24 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। यूपी में उमस भरी गर्मी से लखनऊ व आसपास के इलाकों में हुई जोरदार बारिश से मौसम बदल गया है। बुधवार को दोपहर करीब एक बजे अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। बारिश से लखनऊ विधानसभा के अंदर पानी भर गया और बाहर भी जलभराव जैसी स्थिति पैदा हो गई। उधर, नगर निगम कार्यालय सहित कई प्रमुख कार्यालयों में भी पानी भर जाने से नगर निगम के दावों की पोल खुल गई। भारी बारिश से लखनऊ शहर पानी-पानी हो गया। मौसम विभाग ने बिजली कड़कने और भारी बारिश के मद्देनजर लोगों से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है और कहा कि जर्जर भवनों व पेड़ों के संपर्क में आने से बचें। लोगों से घरों में ही रहने की अपील की गई है। हालांकि, बारिश के कारण लोगों को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली है। इसके पहले मंगलवार को तराई समेत पूर्वी और दक्षिणी यूपी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश से लोगों को थोड़ी राहत मिली थी। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मानसून टर्फ के मध्य भारत से उत्तर की ओर खिसकने और यूपी में मानसून सक्रिय होने से आने वाले दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। इस बीच, झारखंड में बिजली गिरने से दस लोगों की मौत हो गई। इधर, मध्य प्रदेश में सीजन की आधी बारिश हो चुकी है। प्रदेश में एक और सिस्टम सक्रिय हो रहा है। बुधवार से फिर प्रदेश में झमाझम का दौर शुरू हो सकता है। वहीं, राजस्थान और बिहार में मानसून धीमा है। राजस्थान के जैसलमेर और गंगानगर में तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया। बिहार में भी ट्रफ लाइन राज्य की सीमा से बाहर है, जिसके चलते बारिश नहीं हो रही है। कई जिलों में गर्मी उमस से लोग परेशान है। गोपालगंज में तापमान 40 डिग्री पहुंच गया है।

## बैग में जल रही थी लाइट, टिकटिक की आवाज से पूरे क्षेत्र में फैली दहशत

- पुलिस और बम स्क्वॉड मौके पर पहुंचे जांच की तो सब रह गए हैरान
- दो आरोपियों को लिया हिरासत में

**मुंबई। (एजेंसी)**

महाराष्ट्र के गढ़चानदुर में एक दुकान के सामने बम रखा होने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। यहां कपड़ों की दुकान के सामने एक बैग में बीप की आवाज के साथ लाइट जलती दिखी। दुकानदार ने देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। बम होने की खबर से पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जायजा लिया।

दुकान के सामने एक बैग में बम जैसी चीज नजर आई, जिसमें लाइट जल रही थी और टिकटिक की आवाज आ रही थी। पुलिस ने बम स्क्वॉड को बुलाया। बम स्क्वॉड ने मुस्तैदी के साथ पड़ताल की। बम स्क्वॉड ने जब बैग में रखी बम जैसी चीज की जांच की तो वह नकली बम निकला। इस दौरान पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की, जिसमें एक नकाबपोश दुकान के सामने बैग रखता हुआ दिखाई दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब उनसे पूछताछ की गई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन पर बहुत कर्जा हो गया था। उसको चुकाने के लिए दुकान के सामने बम जैसी चीज रखकर दुकानदार से फिरौती वसूलने का प्लान बनाया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

## जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस-भाजपा में तकरार...मायावती ने बताया नाटकबाजी

**लखनऊ। (एजेंसी)**

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच हुई तकरार को नाटकबाजी और ओबीसी समाज को छलने की कोशिश बताया है। मायावती ने पोस्ट किया, कल (मंगलवार को) संसद में खासकर जाति व जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस व बीजेपी आदि में जारी तकरार नाटकबाजी और ओबीसी समाज को छलने की कोशिश है, क्योंकि इनके आरक्षण को लेकर दोनों ही पार्टियों का इतिहास खुलेआम व पर्दे के पीछे भी घोर ओबीसी-विरोधी रहा है। इन पर विश्वास करना ठीक नहीं। पूर्व सीएम ने कहा, बीएसपी के प्रयासों से यहां लागू हुई ओबीसी आरक्षण की तरह ही राष्ट्रीय जातीय जनगणना जन हित का एक खास राष्ट्रीय मुद्दा, जिसके प्रति केंद्र को गंभीर होना जरूरी है। देश के विकास में करोड़ों गरीबों-पिछड़ों व बहुजनों का भी हक है, जिसकी पूर्ति में जातीय जनगणना की अहम भूमिका है। बता दें कि संसद में मंगलवार को बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और भाजपा सांसद ठाकुर की जातीय जनगणना के मुद्दे पर नोकझोंक हुई। इन दोनों की बहस में सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कूद पड़े।

## कोचिंग सेंटरों को रेगुलेट करने बनाएंगे कानून : आतिशी

### मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस की

**नई दिल्ली।** दिल्ली में बीते दिनों राव कोचिंग सेंटर हादसे के बाद दिल्ली सरकार एक्शन मोड में आ गई है। दिल्ली सरकार ने ऐलान किया है कि कोचिंग सेंटरों को रेगुलेट करने के लिए कानून बनाया जाएगा। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि कानून से पहले दिल्ली सरकार एक कमेटी बनाएगी। इस कमेटी में अधिकारी, छात्र और कोचिंग सेंटर को शामिल किया जाएगा। इनके सुझाव पर ही हम कानून बनाएंगे। उन्होंने कहा कि कोचिंग सेंटर के मालिकों के खिलाफ अपराधिक कार्रवाई करने की जिम्मेदारी लॉ एन्ड ऑर्डर संभालने वाली दिल्ली पुलिस पर है।

उन्होंने कहा कि कोचिंग सेंटर मालिकों के खिलाफ एक्शन लेने की जरूरत है। लॉ एन्ड ऑर्डर के जिम्मेदार लोगों को ऐसे अपराधियों के खिलाफ एक्शन लेना होगा, लेकिन समस्या यह है कि लॉ एंड ऑर्डर संभालने वाले लोग ही उनके साथ मिले हुए हैं। वे अगर उन्हीं लोगों के साथ बैठेंगे और बेसमेंट चलाने देंगे तो व्यवस्था कैसे चलेगी। लॉ एन्ड ऑर्डर के जिम्मेदार लोगों को चैलेंज है कि वह कोचिंग सेंटर के मालिकों पर आपराधिक कार्रवाई करें। कोचिंग सेंटर मालिकों को कठघरे में खड़ा करना जरूरी है।

गौरतलब है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस संभालती है जो सीधे एलजी के अधीन है। इसमें दिल्ली सरकार कुछ नहीं कर सकती है। इसके मद्देनजर आतिशी ने यह बात कही है। आतिशी का साफ कहना था कि दिल्ली पुलिस और एलजी को कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

बता दें दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में एक बिल्डिंग के बेसमेंट में राव आईएएस कोचिंग सेंटर चल रहा था। विगत शनिवार शाम को इसके बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इसके बाद से इस घटना को लेकर हंगामा हुआ। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

## रेप नहीं किया, लेकिन इरादे थे......तब सजा के हकदार

### नागपुर पीठ ने सजा को रखा बरकरार

**मुंबई ।** रेप नहीं किया लेकिन तब इरादे थे, तब भी सजा के हकदार हैं। यह बड़ी बात बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कही। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नागपुर में चार लोगों द्वारा सामूहिक बलात्कार के एक मामले में फैसला सुनाकर कहा है कि अगर गैंगरेप के 'साझा इरादे' का सबूत है, तब यह दोष साबित होने के लिए काफी है। हाई कोर्ट ने गैंगरेप के चार दोषियों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक,कोर्ट ने कहा कि यौन उत्पीड़न में प्रत्यक्ष भागीदारी अपराध को स्थापति करने के लिए जरूरी नहीं है। नागपुर पीठ ने सामूहिक बलात्कार के लिए चारों लोगों की सजा को बरकरार रखा है।

न्यायमूर्ति सनप ने कहा, दोनों आरोपी पीड़ित को घसीटकर एक पेड़ के पीछे ले गए, जबकि बाकी दो ने पीड़ित के दोस्त को पकड़ा। संदीप तलंडे, कुणाल घोडाम, शुभम घोडाम और अशोक कन्नके को 14 जून, 2015 को महिला के साथ सामूहिक बलात्कार के लिए 20 अगस्त, 2018 को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति गोविंदा सनप ने चार आरोपियों द्वारा दायर अपीलों को खारिज कर दिया जिन्होंने चंद्रपुर सेशन कोर्ट द्वारा दी गई अपनी सजा को चुनौती दी थी।

महिला और उसका दोस्त मंदिर में दर्शन करने के बाद एक पेड़ के नीचे बैठे थे, तब आरोपियों ने वन विभाग के अधिकारी बनकर उनसे संपर्क किया और 10,000 रुपये मांगे। दोनों ने जब उन्हें भुगतान करने में अपनी दिक्कत जाहिर की तब उनके साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि उनके मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद संदीप और शुभम ने महिला के साथ बलात्कार किया, जबकि कुणाल और अशोक ने उसके दोस्त पकड़े रखा ताकि वह वारदात को रोक न सके। फोरेस्ट गार्ड के आने के बाद आरोपी मौके से भाग गए।

न्यायमूर्ति सनप ने कहा, वे बच सकते थे अगर उन्होंने पीड़ित के दोस्त को रोके न रखा होता। अगर वह काबू में नहीं होता, तब वह बचाने की कोशिश करता और रेप होने से रोकता। दोनों ने अन्य दो आरोपियों शुभम और संदीप की गैंगरेप में मदद की।

## जाति जनगणना पर अनुराग ठाकुर के बयान की पीएम मोदी ने की तारीफ

### कांग्रेस नेता जयराम बोले- बयान, भारत के संसदीय इतिहास के लिए शर्मनाक

**नई दिल्ली,।** बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर को जाति जनगणना पर उनके लोकसभा भाषण की पीएम नरेंद्र मोदी ने तारीफ की है। पीएम ने तथ्यों और हास्य के संयोजन के साथ विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमियों को प्रभावी ढंग से उजागर करने के लिए अपने साथी और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर की तारीफ की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में वीडियो शेयर करते हुए लिखा-मेरे युवा और ऊर्जावान सहयोगी अनुराग ठाकुर का यह भाषण जरुर सुनना चाहिए। तथ्यों और हास्य का एक आदर्श मिश्रण, इंडी गठबंधन की गंदी राजनीति को उजागर करता है।

कांग्रेस ने इसको लेकर पलटवार किया है, कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर के लोकसभा में दिए गए उस भाषण का वीडियो साझा करके संसदीय विशेषाधिकार के घोर हनन को बढ़ावा दिया है जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से उनकी जाति पूछकर संसदीय संवाद और चर्चा के स्तर को नीचे गिराया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- यह भारत के संसदीय इतिहास में एक नई और शर्मनाक गिरावट है और यह बीजेपी, आरएसएस और नरेन्द्र मोदी के, गहरी जड़ें जमा चुके जातिवाद को दर्शाता है।

कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या ठाकुर की टिप्पणी खुद पीएम मोदी के आदेश पर की गई थी। विवाद के प्राथमिक बिंदुओं में से एक ठाकुर द्वारा उल्लेखनीय हस्तियों की जाति का संदर्भ था, जिसे कांग्रेस ने सीधे हमले के रूप में व्याख्यायित किया है। अपने भाषण में अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिनकी जाति का पता नहीं है, वे जाति जनगणना के बारे में बात करते हैं। जबकि संभवतः उनके तर्क के हिस्से के रूप में वर्तमान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पिता, पूर्व पीएम राजीव गांधी का जिक्र था। राहुल गांधी ने ठाकुर के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनका अपमान किया और देशव्यापी जाति जनगणना पर जोर देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि आप जितना चाहें मेरा अपमान कर सकते हैं, लेकिन हम इस संसद में जाति जनगणना पारित करेंगे। राहुल गांधी ने आदिवासियों, दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों से संबंधित मुद्दे उठाने वाले व्यक्तियों के साथ व्यवहार के प्रति तिरस्कार व्यक्त करते हुए कहा कि वह न्याय की तलाश में उनके प्रति किए गए किसी भी दुर्व्यवहार को स्वीकार करेंगे।

## पुराने और जर्जर 75 पुलों पर चलेगा बाबा बुलडोजर

**सोनभद्र ।**

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में सालों पुराने और जर्जर हो चुके पुलों को गिराने का बड़ा फैसला किया है। निर्णय के तहत प्रदेश भर में 50 वर्ष से अधिक समय से जर्जर हो चुके कुल 75 पुलों को गिराया जाएगा। सोनभद्र जिले में भी निर्णय के अनुसार तीन पुराने पुलों को गिराया जाएगा। यह फैसला प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने और लोगों की सुरक्षा के लिए लिया गया है।

आजादी के बाद सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए सबसे पुराने पुल में से एक 'चोपन पुल का नाम भी सूची में शामिल है। यह पुल करीब 60 वर्ष पहले बनाया गया था और इसका महत्व इसलिए भी है, क्योंकि यह तीन प्रदेशों को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है। योगी सरकार के निर्णय से न केवल वाहन सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि नए और मजबूत पुलों का निर्माण भी शुरू होगा। दरअसल, बिहार में पुल हादसों के बाद सीएम योगी द्वारा पुलों की जांच कराने का निर्णय हुआ था। इसमें बागपत में काली नदी पर बना पुल भी जांच में जर्जर मिला। पीडब्ल्यूडी विभाग की जांच के बाद काली नदी पर बने पुल को बंद किया गया है। भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दूसरे पुल निर्माण की प्रकिया शुरु कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# १६ फर्जी डॉक्टर, वार्ड बॉय-मेडिकल स्टोरकीपर क्लीनिक खोलकर १०-१२ पढ़े-लिखे मरीजों का इलाज करते

## सूरत में 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' घोटाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने सूरत शहर के स्लम एरिया को निशाना बनाकर वहां के मजदूरों का इलाज करने वाले करीब १६ फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है. शहर के स्लम एरिया में झोलाछाप डॉक्टरों का मानो भांडा फूट गया है। एक डॉक्टर जो कभी वार्ड बॉय और दवा देने का काम करता था, अब स्लम एरिया में क्लिनिक खोलकर लोगों का इलाज कर रहा है। सबसे खास बात यह है कि इन सभी डॉक्टरों के पास किसी भी तरह की मेडिकल या डॉक्टरी की डिग्री नहीं है. उन्होंने केवल मानक-१० या १२ तक ही पढ़ाई की है।

१०वीं-१२वीं तक पढ़े लोग कर रहे थे मरीजों का इलाज

सूरत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को जानकारी मिली कि शहरी इलाके में कई फर्जी डॉक्टर क्लीनिक चला रहे हैं. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर शहर के पांडेसरा, उधना और डिंडोली इलाके में छापेमारी की तो एसओजी भी अलर्ट हो

गई. एसओजी की टीम जब हर फर्जी डॉक्टर के क्लीनिक पर पहुंची तो पाया कि वहां कक्षा-१० और १२ तक पढ़े लोग ही लोगों का इलाज कर रहे थे. क्लिनिक में ४-५ मरीज थे जिन्हें ग्लूकोज की बोतलें चढ़ाई जा रही थीं.

झोलाछाप डॉक्टर स्लम एरिया को बना रहे थे निशाना

इस मामले में एसओजी के पीआई अतुल सोनारा ने बताया कि उसके पास कोई डिग्री नहीं थी, वह एक डॉक्टर के साथ कंपाउंडर के रूप में अपना क्लिनिक खोलकर उसी के अनुसार लोगों का इलाज कर रहा था और सीखा था। ये सभी फर्जी डॉक्टर स्लम एरिया को निशाना बना रहे थे. खासतौर पर डिंडोली, भेस्तान, पांडेसरा, लिंबायत को निशाना बनाया जा रहा है। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई है जिसे उस इलाके के थाने में आरोपियों को सौंप दिया जाएगा.

ये फर्जी डॉक्टर बिना डिग्री के बुखार, खांसी, मलेरिया जैसी बीमारियों का इलाज करने के बजाय

विशेष रूप से स्लम एरिया को टारगेट कर क्लीनिक खोलते थे, क्योंकि वहां गरीब और कामकाजी लोगों की संख्या अधिक होती है और उन्हें डॉक्टर की डिग्री के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। ये फर्जी डॉक्टर खुद को डिग्रीधारी डॉक्टर बताते हैं और यहां आकर इलाज करते हैं। बुखार, खांसी, मलेरिया जैसी बीमारियों का इलाज किया गया। ये लोग इलाज के नाम पर एक मरीज से ५० से ५०० रुपये तक लेते थे.

ग्रेजुएशन की डिग्री भी नहीं

आमतौर पर जब भी किसी डॉक्टर को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है तो उनके पास होम्योपैथी या आयुर्वेदिक की डिग्री पाई जाती है, लेकिन जब एसओजी ने सूरत इलाके में छापा मारा तो इन सभी झोलाछाप डॉक्टरों के पास ग्रेजुएशन की डिग्री भी नहीं थी और वह आराम से लोगों का इलाज कर रहे थे। , किसी भी प्रकार के भय से मुक्त।

उनके पास सभी तरह के उपकरण और दवाइयां उपलब्ध थीं,उन्होंने कहा, इन डॉक्टरों के पास कोई डिग्री नहीं है. ये लोग सिर्फ १० से १२वीं पास हैं. वह अपनी पहचान डॉक्टर बताकर लोगों का इलाज करता था। उसके पास से एंटीबायोटिक, इंजेक्शन पेन किलर, बीपी मशीन, ग्लूकोज की बोतलें बरामद हुई हैं। जो औषधियाँ एवं उपकरण एक सामान्य डॉक्टर अपने पास रखता है, वे सभी प्रकार के उपकरण एवं औषधियाँ उसके पास उपलब्ध थीं।

डिंडोली से ७ और पांडेसरा से ९ फर्जी डॉक्टर मिले एसओजी की ओर से फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ अभियान चलाया गया। सूरत नगर निगम के डॉक्टरों की एक टीम के साथ, पांडेसरा और डिंडोली क्षेत्रों के भीतर यथासंभव विभिन्न स्लम क्षेत्र हैं। डिंडोली क्षेत्र से सात, पांडेसरा क्षेत्र से नौ फर्जी डॉक्टर मिले।

# नगर निगम की ८ मिनट की बैठक, मुद्दे पर सिर्फ २ मिनट चर्चा, बाकी समय एक-दूसरे के गुणगान में बीता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

**नवसारी नगर पालिका सा. बैठक में सड़क, सीवर लाइन, ब्लॉक कार्यों की ४० गुना लागत ५,३२,५९७ लाख रु**

नवसारी-विजलपोर नगर पालिका की पिछली आम बैठक में भी बिना किसी विरोध या चर्चा के सिर्फ ८ मिनट में करोड़ों रुपये के ३३७ विकास कार्यों को मंजूरी दे दी गई. ८ मिनट में से २ मिनट कार्यों को मंजूरी देने में खर्च किये गये और ६ मिनट मेयर से लेकर नगर सेवकों तक ने बाढ़ के दौरान किये गये कार्यों की एक-दूसरे की प्रशंसा कर बधाई दी. जिसमें नवसारी शहर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक लड़की की मौत हो गई. इस मामले पर सिर्फ आधे मिनट का मौन रखा गया.

नवसारी विजलपोर नगर पालिका की आम बैठक अध्यक्ष मीनल देसाई और सीओ जेयू वसावा और कार्यालय अधीक्षक विनोद डाभी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सामान्य सभा के सामान्य १०८ कार्य और अध्यक्ष से अतिरिक्त कार्य को दोगुना २२९ मिला, कुल ३३७ विकास कार्यों को बिना किसी नगर सेवक या विपक्षी दल के नगर सेवक के विरोध या चर्चा के मंजूरी दे दी गई और वह भी सभी कार्य सिर्फ ८ मिनट में मंजूरी. जिसमें ६ मिनट में नगर सेवकों ने बाढ़ के दौरान किये गये कार्यों की एक-दूसरे की सराहना की

और २ मिनट में ३३७ कार्यों को मंजूरी दे दी गयी.

हालाँकि, कार्यों की चर्चा के बाद, नगरसेवक विजय राठौड़ ने कर्मचारियों के ईपीएफ पैसे की कटौती के संबंध में कार्रवाई करने के लिए कहा और पूरे नवसारी शहर में गड्ढों की ओर नगरपालिका अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया और उनसे निर्माण करने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने के लिए कहा। उन्होंने ऐसी सड़कों पर कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसा काम नहीं करने को कहा और लोगों का पैसा बर्बाद न हो, यह सुनिश्चित करने की विशेष अपील की.

हालांकि, उनके कार्यकाल में कितने ठेकेदारों को काली सूची में डाला गया, इसका खुलासा किसी ने नहीं किया. नगर पालिका परिषद में सड़क, सीवर लाइन, ब्लॉक पेविंग, पानी की लाइन आदि कार्यों की लागत रु ५,३२,५९७ को समान रूप से ४० बार दिखाया गया क्योंकि पिछली बैठक के वही पन्ने हटा दिए गए थे।

जिगीश शाह ने नवसारी शहर के गड्ढे के बारे में कहा कि वर्तमान में सड़कें बनी हैं और जर्जर हो चुकी हैं. निर्माण ठेकेदारों की एक सूची बनाई जानी चाहिए और ऐसे ठेकेदार जिनकी सड़क कार्यों में वारंटी है, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए ताकि उन्हें दोबारा नवसारी में सड़क कार्य न दिया जाए और वे टेंडर भरने पर विचार करें। इस संबंध में पालिकाध्यक्ष ने जवाब दिया कि वह समय आने पर निर्णय लेंगे।

# अंजना फार्म के पास यूट्यूबर की हत्या के आरोप में ७ किशोरों सहित ९ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

यूट्यूबर की दो दिन पहले सूरत शहर के अंजना फार्म में हत्या कर दी गई थी। सलाबतपुरा पुलिस ने आज इस हत्या की घटना में ७ किशोरों समेत ९ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सभी आरोपी मृतक के घर के बाहर बैठे हुए थे. जो मृतक को पसंद नहीं था जिसे लेकर झगड़ा हुआ था. इन सभी आरोपियों ने दुश्मनी रखते हुए जुबेर की हत्या कर दी. ३४ से अधिक पैडलर्स मारे जाने के बाद भाग निकले। सलाबतपुरा पुलिस की एक टीम आरोपी को पकड़ने के लिए काम कर रही थी।

अन्य ७ नाबालिग किनारे की ओर भागे। मुख्य आरोपी रेहान उर्फ गोरा समीर शेख को पुलिस ने कल गिरफ्तार कर लिया है। . उससे पूछताछ करने पर पता चला कि हत्या के अपराध में कुल ९ लोग शामिल थे. अंजना फार्म एचटीसी जब जुबेर खान जागीर खान पठान मार्केट १ के सामने साईकृपा इंद्रिस की पहली मंजिल पर सीढ़ी के पास बैठे थे, रेहान उर्फ गोरा समीर शेख, फैजल उर्फ तारोपा उर्फ भूखा शेखफरीद शेखहमीदानी और ७ अन्य बच्चे दौड़कर अंदर आए। इन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है.

आरोपी मृतक एसीपी चिराग पटेल ने बताया कि कुछ महीने पहले ये सभी आरोपी मृतक के घर के बाहर बैठे थे. यह बात मृतक को पसंद नहीं थी. इस बात को लेकर उनसे झड़प भी हुई और इसके बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस में अर्जी भी दी. दुश्मनी रखते हुए सभी आरोपियों ने मिलकर जुबेर की हत्या कर दी. अब सभी आरोपियों से पूछताछ की जा चुकी है. कोई आपराधिक इतिहास का विवरण सामने नहीं आया है.

# सूरत मेट्रो ब्रिज स्पैन ढहने पर दिलीप बिल्डकॉन को नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में चल रहे दूसरे चरण के मेट्रो प्रोजेक्ट के स्पैन में कल खराबी आ गई और इसकी वजह से यह दो हिस्सों में बंट गया। गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और दिलीप बिल्डकॉन की लापरवाही को लेकर कई सवाल पूछे हैं. और महज दो दिन में कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा गया है.

दिलीप बिल्डकॉन कंपनी को

कारण बताओ नोटिस सूरत के माजुरा सारोली में मेट्रो परियोजना के चरण २ के तहत ८.२ किमी मार्ग के सारोली में निर्माणाधीन स्पैन को दो भागों में विभाजित किया गया था। मामले में गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ओर से जांच शुरू की गई थी. प्रथम दृष्टया यह टेंडर दिलीप बिल्डकॉन नामक कंपनी को दिया गया है। फिर इस कार्रवाई में कंपनी की लापरवाही दिखाते हुए सिर्फ दो दिन में कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा गया है.

दिलीप बिल्डकॉन कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया है कि जब यह निर्माण कार्य चल रहा था तो हाइड्रोलिक प्रेशर कैसे बढ़ गया? दबाव बढ़ने और घटने के मानदंड होने पर लॉन्चर ऑपरेटर ने इन सभी मानदंडों का पालन क्यों नहीं किया? कंपनी से यह भी पूछा गया है कि जब एक के बाद एक ११ स्पैन थे तो सेगमेंट में बिछाये गये केबल सही थे या नहीं? केबल को कैसे विस्थापित किया जाता है?

# विजलपोर जलाराम सोसायटी का मार्ग १ महीने में पूरा हुआ

## जर्जर सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार का बोलबाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी शहर के विजलपोर इलाके में स्थित जलाराम सोसायटी में एक महीने पहले जर्जर हो चुकी सड़क की मरम्मत की गई. इस सड़क के निर्माण के बाद सड़क की स्थिति फिर से वैसी ही हो गयी है. सार्वजनिक चर्चा है कि नवसारी-विजलपोर नगरपालिका सीमा क्षेत्र में इस सोसायटी की सड़क का काम घटिया हो गया है।

बुधवार को नवसारी विजलपोर नगर पालिका की आम बैठक में शहर भर की

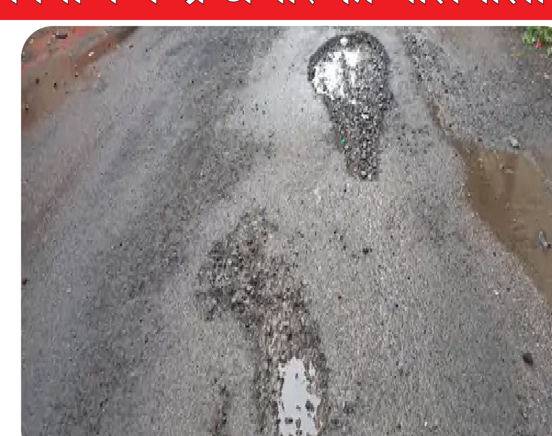

जर्जर सड़कों का मुद्दा उठाया गया. जिसमें पूर्व अध्यक्ष ने जर्जर सड़कों को बनाने वाले ठेकेदारों को तीन साल के अंदर काली सूची में डालने का सुझाव पालिकाध्यक्ष को दिया। जब शहर में यह सुगबुगाहट हो कि टैक्स देने के बावजूद नागरिकों को परेशानी हो रही है, तो प्रशासनिक तंत्र के लिए जरूरी है कि वह इस संबंध में जल्द से जल्द आवश्यक कार्य करे. 6 विजलपोर क्षेत्र के जलालाराम सोसा में सड़क पर गड्ढे।

# नारकोटिक्स टीम ने २ करोड़ रुपए कीमत की १ किलो मेफेड्रोन ड्रग्स के साथ आरोपी को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस से जुड़ी मादक द्रव्य निरोधक टीम ने तंजानिया की एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से २ करोड़ कीमत की १ किलो मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की गई. सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने इस अपराध में फरार चल रहे एक आरोपी को सूरत से पकड़ लिया है.

१ किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई जानकारी के मुताबिक,

सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी बाबू अंसारी को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे को मीरा-भायदर, वसई-विरार की एंटी-नारकोटिक्स सेल की पुलिस को सौंपने का प्रयास किया. पुलिस के मुताबिक २१-७-२०२४ को काशीगांव थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा और फॉरेन एक्ट की धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया था. किस अपराध में आरोपी सऊद सिराज सैयद से ५०० ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स और सबरीना रामदानी नुजुबी से ५०० ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स कुल १ किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई थी. जिसकी कुल कीमत २ करोड़ है.

गिरफ्तार आरोपी बाबू अंसारी को दी जानी थी ड्रग्स की कुछ माला पुलिस जांच में पता चला है कि १ किलो ड्रग्स में से कुछ माला गिरफ्तार आरोपी बाबू अंसारी को दी जानी थी.